छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

रायपुर

मंगलवार 22 सितंबर 2026

वर्ष-07, अंक-264

पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com

Website: www.eksatbulletin.in

नगर पंचायत पवनी में 252 हितग्राहियों को वितरित किए गए प्रधानमंत्री आवास योजना के भवन अनुज्ञा पत्र

आने वाले समय में शेष पात्र हितग्राहियों को भी योजना का लाभ मिलने की उम्मीद है

एक सत बुलेटिन > बिलाईगढ़

छत्तीसगढ़ के सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के नगर पंचायत पवनी में सोमवार को प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत भवन अनुज्ञा पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान नगर के 252 हितग्राहियों को भवन अनुज्ञा पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में नगर के जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं बड़ी संख्या में हितग्राहियों की उपस्थिति रही।

प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को पक्का और सुरक्षित मकान उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। भवन अनुज्ञा पत्र मिलने के बाद पात्र हितग्राहियों के लिए अपने स्वयं के पक्के मकान के निर्माण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हुआ है। इससे गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों में अपने घर का सपना पूरा होने की उम्मीद बढ़ी है।

396 हितग्राहियों को मिल चुका है योजना का लाभ

नगर पंचायत पवनी में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद तथा नगर पंचायत में भाजपा समर्थित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं जनप्रतिनिधियों के निर्वाचित होने के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बड़ी संख्या में हितग्राहियों को लाभ मिलने की बात सामने आई है। अब तक

396 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभ मिल चुका है।

वहीं, आने वाले दिनों में करीब 240 और हितग्राहियों की सूची जारी होने की उम्मीद जताई जा रही है। सूची जारी होने के बाद योजना का लाभ पाने वाले हितग्राहियों की संख्या में और वृद्धि होगी।

जरूरतमंद परिवारों को मिल रहा आवास का सहारा

प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराना है। नगर पंचायत पवनी में योजना के माध्यम से लगातार पात्र हितग्राहियों को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। भवन अनुज्ञा

पत्र वितरण के साथ ही हितग्राहियों को अपने घर के निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाने में सुविधा मिलेगी। कार्यक्रम में उपस्थित पार्षद करन साहू ने कहा कि सरकार की आवास योजना का लाभ पात्र परिवारों तक पहुंचाना प्राथमिकता है। जिन परिवारों के पास वर्षों से अपना पक्का मकान नहीं था, उनके लिए यह योजना काफी महत्वपूर्ण साबित हो रही है। अपने घर का सपना देखने वाले गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना आर्थिक रूप से सहारा बनने के साथ ही उन्हें सुरक्षित और बेहतर जीवन की ओर आगे बढ़ने का अवसर भी प्रदान कर रही है।

अध्यक्ष कुलदीप साहू ने डेढ़ वर्ष में किए गए करोड़ो के विकास कार्यों को गिनते हुए कहा कि नगर पंचायत पवनी में योजना के तहत लगातार हितग्राहियों को लाभ मिलने से नगर के जरूरतमंद परिवारों में भी उत्साह का माहौल है। आने वाले समय में शेष पात्र हितग्राहियों को भी योजना का लाभ मिलने की उम्मीद है।

उपाध्यक्ष नंदू साहू ने कहा सभी पात्र आवास के हितग्राहियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी और कहा कि जरूरतमंद लोगों का सपना होता है कि वह अपना पक्का मकान बना सके और इस सपना को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सरकार किया जा रहा है इसके लिए आप सभी को बधाई ।

इस कार्यक्रम में नगर पंचायत पवनी के अध्यक्ष कुलदीप साहू, उपाध्यक्ष नंदू साहू, पार्षद करन साहू, सीएमओ मजीद खान, पार्षद कमलेश साहू, पिंटू साहू, रामगोपाल साहू, नंदलाल साहू, गणेश साहू, रामकृष्ण साहू, लीलांबर साहू, लोकनाथ साहू, टीकम साहू, राजेश चौहान, अमित साहू समेत अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं नगर पंचायत के अधिकारी कर्मचारी और नगर के वरिष्ठ नागरिकगण उपस्थित रहे.

भागवत रखेंगे रोडमैप

दिल्ली में 29 नवंबर को होगा आरएसएस का शताब्दी समारोह का समापन, जुटेंगे 3 लाख स्वयंसेवक

एजेंसी > नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष का समापन समारोह दिल्ली में होगा। 29 नवंबर को दिल्ली में शताब्दी वर्ष समापन होगा। लगभग 3 लाख स्वयंसेवक संघ के गणवेश में रोहिणी ग्राउंड में जुटेंगे।आरएसएस सरसंघचालक मोहन भागवत स्वयंसेवकों को संबोधित करेंगे। ढाई-तीन लाख स्वयंसेवकों के सामने संघ प्रमुख मोहन भागवत संघ के सामने भविष्य का आगे का रोडमैप रखेंगे। दिल्ली में शताब्दी वर्ष समारोह की शुरुआत पिछले साल विजयदशमी के दिन पीएम मोदी ने डाक टिकट और सिक्का जारी कर किया था।

1925 में नागपुर, महाराष्ट्र में डॉ केशव बलिराम हेडगेवार ने आरएसएस की स्थापना की थी। आरएसएस एक स्वंयसेवियों पर आधारित संगठन है, जिसका मकसद लोगों में सांस्कृतिक जागरूकता, अनुशासन, सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी बढ़ाना था। संघ का मुख्य जोर देशभक्ति और राष्ट्रीय चरित्र बनाने पर है। यह मातृभूमि के प्रति समर्पण, अनुशासन, आत्म-संयम, साहस और वीरता पैदा करना चाहता है। संघ का मकसद भारत का सर्वांगीण विकास (हर तरफ का विकास) है, जिसके लिए हर स्वयंसेवक खुद को समर्पित करता है।

पिछले 100 सालों से सेवा में जुटा है आरएसएस

पिछले एक शताब्दी के दौरान आरएसएस ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण और आपदा राहत में अहम भूमिका निभाई है। आरएसएस के स्वंयसेवकों ने बाढ़, भूकंप और साइक्लोन जैसी कुदरती आफतों के दौरान राहत और पुनर्वास के कामों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। इसके अलावा आरएसएस से जुड़े अलग-अलग संगठनों ने युवाओं, महिलाओं और किसानों को मजबूत बनाने, लोगों की भागीदारी को बढ़ावा देने और लोकल कम्युनिटी को मजबूत करने में मदद की है।

न्यूज इन शॉर्ट

आईआईटी बॉम्बे स्टूडेंट सुसाइड केस में प्रोफेसर सस्पेंड

नई दिल्ली। आईआईटीबॉम्बे ने बीटेक स्टूडेंट साहिल वाकोडे की मौत मामले में प्रोफेसर सूर्यनारायण दूल्ला को डीन पद से सस्पेंड कर दिया है। वहीं, संस्थान ने साहिल की मौत को लेकर पहले कही गईं अपनी बातों के लिए माफी भी मांगी है। बॉम्बे के एनर्जी साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग में सेकेंड ईयर के स्टूडेंट थे। 18 सितंबर की रात वे पवई कैंपस स्थित हॉस्टल के कमरे में मृत मिले थे। 19 सितंबर को अपने ऑफिशियल बयान में कहा था कि घटना वाले दिन साहिल को मिड-सेमेस्टर एग्जाम में फोन का इस्तेमाल करते हुए पकड़ा गया था। क्वेश्चन पेपर अपलोड करने की कोशिश की।

राजस्थान निकाय चुनाव- अजमेर, पाली, उदयपुर और अलवर में बीजेपी के मेयर,

नई दिल्ली। राजस्थान के निकाय चुनाव परिणामों में बीजेपी ने शानदार प्रदर्शन किया। अजमेर में अनामिका सोनी 36 साल बाद मेयर बनीं, वहीं पाली और अलवर में भी बीजेपी के महापौर चुने गए। जबकि बीकानेर में कांग्रेस जीती है।राजस्थान निकाय चुनाव में सोमवार को पांच नगर निगमों के मेयर और 268 नगरीय निकायों के अध्यक्ष पदों के नतीजे सामने आए गए हैं। अजमेर, पाली, अलवर और उदयपुर में बीजेपी के प्रत्याशियों ने मेयर पद पर परचम फहराया है, जबकि बीकानेर में कांग्रेस ने बाजी मारी। नतीजों के बाद बीजेपी और कांग्रेस दोनों खेमों में जश्न का माहौल देखने को मिल रहा है।दरअसल, राजस्थान में कुल 10 नगर निगम है, जिसमें 7 का परिणाम सामने आ चुका है। बीकानेर, अजमेर, पाली, अलवर और उदयपुर में सोमवार को चुनाव हुआ, जबकि दो नगर निगमों भरतपुर और भीलवाड़ा में पहले ही निर्विरोध मेयर बन चुके हैं।

केरलम में लैंडस्लाइड-बाढ़ से 5 मौतें

यूपी में 3 बच्चों की जान गई, ललितपुर में पुल पर पानी; गुजरात के भावनगर-राजकोट में सड़कें डूबीं

एजेंसी > नई दिल्ली

केरलम में सोमवार को लगातार दूसरे दिन तेज बारिश की आशंका है। मौसम विभाग ने पथनमथिट्टा, कोट्टायम, अलप्पुझा, एर्नाकुलम, इडुक्की और त्रिशूर में यलो अलर्ट जारी किया है।इससे पहले रविवार को भारी बारिश ने इडुक्की, मलप्पुरम सहित कई जिलों में तबाही मचाई। लैंडस्लाइड, मडस्लाइड और अचानक आई बाढ़ की अलग-अलग घटनाओं में 5 लोगों की मौत हो गई। 2 लोग लापता हैं।

वहीं, उत्तर प्रदेश में बारिश का असर अभी भी कई इलाकों में है। उन्नाव की बस्तियों में नाव चल रही है। बाराबंकी में रविवार को बारिश के पानी से भरे गड्ढे में नहाते समय तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई।गुजरात के भावनगर और राजकोट में रविवार को करीब आधे घंटे तेज बारिश में ही सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया। भावनगर के महुवा में साढ़े 4 इंच और राजकोट के गोंडल में साढ़े 3 इंच बारिश हुई।जूनागढ़ के गिरनार जंगल में अचानक बाढ़ आ गई। यहां आत्मेश्वर महादेव40 से ज्यादा श्रद्धालु फंस गए।

नवरात्रि से पहले मुंबई में गरबा पर सियासत

मुस्लिमों की एंट्री को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष आमने-सामने

एजेंसी > मुंबई

मुंबई में नवरात्रि गरबा में मुस्लिमों की एंट्री पर बवाल मचा है। बीजेपी के नेताओं ने मुस्लिम युवकों के प्रवेश पर रोक की बात कही। वहीं, विपक्ष इसे धार्मिक भेदभाव और समाज को बांटने का प्रयास बता रहा है।

विपक्ष ने जानबूझकर हिंदू-मुस्लिम के बीच विवाद पैदा करने का लगाया आरोप

मुंबई में नवरात्रि और गरबा आयोजन में मुस्लिमों की एंट्री को लेकर सियासी विवाद गहराता जा रहा है। बीजेपी विधायक संजय उपाध्याय ने गरबा में मुस्लिमों की एंट्री पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा है कि मुस्लिम युवक गरबा में न आएं। अगर कोई आना चाहता है तो अपनी पत्नी, बहन या बेटी के साथ आए, तिलक लगाए और देवी की पूजा करे।विश्व हिंदू परिषद भी पहचान सत्यापन की मांग कर रहा है।

बीजेपी विधायक संजय उपाध्यायने गरबा को लव जिहाद की जगह नहीं बनाने की बात कही है।

सरकारी स्कूल में रोबोट ले रहा क्लास

तेलंगाना। सिरसिल्ला स्थित एक सरकारी स्कूल में रोबोट शिक्षक छात्रों को पढ़ाने के साथ-साथ उनके सवालों के जवाब दे रहा है। रोबोटिक्स तकनीक पर आधारित यह पहल अभिभावकों और विद्यार्थियों को खूब पसंद आई है।तेलंगाना में सरकारी शिक्षा को तकनीक से जोड़ने की दिशा में एक जरूर कदम उठाया गया है। यहां सिरसिल्ला के एक सरकारी स्कूल में रोबोट शिक्षक न केवल छात्रों को पढ़ा रहा है, बल्कि उनके संदेहों के रोचक उत्तर भी दे रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स पर आधारित यह शिक्षक छात्रों को प्रभावित कर रहा है।पढ़ाई का यह नया तरीका छात्रों में काफी रुचि जगा रहा है, क्योंकि इसमें शिक्षण पारंपरिक शिक्षकों के विपरीत तकनीक की मदद से किया जा रहा है।

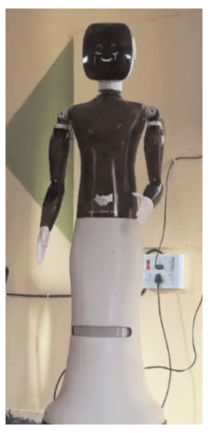

मोतिहारी में पुल की एप्रोच रोड में दरार, 13 करोड़ में तैयार सड़क धंसी, 20 दिन पहले सीएम ने किया था उद्घाटन

एजेंसी > मुंबई

बिहार का एक और पुल उद्घाटन के कुछ ही दिनों बाद चर्चा में आ गया है। पूर्वी चंपारण के मोतिहारी में करीब 13 करोड़ रुपये की लागत से तैयार मजूरहा-हरदिया पुल की एप्रोच रोड में उद्घाटन के महज 20 दिन के भीतर करीब 20 फीट लंबी दरार दिखाई देने लगी है। इतना ही नहीं, सड़क का एक हिस्सा एक तरफ नीचे की ओर धंस गया है। नई बनी सड़क की यह स्थिति सामने आने के बाद निर्माण की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

मजूरहा-हरदिया के बीच करीब 72 मीटर लंबे और 7।5 मीटर चौड़े इस पुल का उद्घाटन एक सितंबर को बापूधाम महोत्सव के दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया था। पुल के चालू होने के बाद जिला मुख्यालय से आसपास उम्मीद जताई गई थी।

माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के साथ बेहद आत्मीय मुलाकात हुई

क्रिकेट के गंभीर और राजनीति के शाह, मुलाकात की तस्वीरें हुईं वायरल, मिला खास मार्गदर्शन!

एजेंसी > नई दिल्ली

गौतम गंभीर ने देश के गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। खास मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए उन्होंने लिखा है माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के साथ बेहद आत्मीय मुलाकात हुई।भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर ने सोमवार (21 सितंबर 2026) को देश के गृह मंत्री अमित

शाह से खास मुलाकात की। जिसकी तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी साझा की हैं। 44 वर्षीय पूर्व क्रिकेटर ने इन तस्वीरों को साझा करते हुए लिखा है, माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के साथ बेहद आत्मीय मुलाकात हुई। उनके समय और मार्गदर्शन के लिए आभारी हूं। मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना करता हूं।

जापान के खिलाफ बीसीसीआई की जर्सी पहनकर मैदान में उतरेगी भारतीय टीम

भारतीय टीम को जल्द ही जापान के साथ एक ऐतिहासिक टी20 मुकाबला खेलना है। जिसके लिए जर्सी का चुनाव हो गया है। ब्लू टीम बीसीसीआई की जर्सी पहनकर विपक्षी टीम के खिलाफ मैदान में उतरेगी। के लिए भी टीम को अपनी आधिकारिक किट मिल चुकी है।

न्यूज इन शॉर्ट

आस्था के रंग में रंगा वनांचल, गणपति बप्पा के जयकारों से गूंज रहा मनेंद्रगढ़

महेंद्र शुक्ला एमसीबी । गणपति उत्सव ने वनांचल में भक्ति, उल्लास और सामाजिक एकजुटता की नई तस्वीर पेश की है। नागपुर, बेलबहरा, बरबसपुर से लेकर मनेंद्रगढ़ शहर तक जगह–जगह स्थापित गणपति प्रतिमाओं के सामने श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। सुबह की आरती से लेकर शाम की पूजा–अर्चना और जयकारों तक पूरा वातावरण भक्तिमय नजर आ रहा है। गणेश उत्सव केवल प्रतिमा स्थापना और पूजा तक सीमित नहीं है। यह वह अवसर है जब मोहल्ले, गांव और शहर की अलग–अलग गलियां एक साझा उत्सव में बदल जाती हैं। 卐गणपति बप्पा मोरया卐 के जयघोष के बीच उम्र, वर्ग और सामाजिक दूरी की दीवारें छोटी पड़ जाती हैं और सामूहिक आस्था बड़ी हो जाती है। वनांचल के ग्रामीण क्षेत्रों में भी उत्सव की अपनी खास रंगत दिखाई दे रही है। नागपुर, बेलबहरा और बरबसपुर जैसे इलाकों में श्रद्धालुओं ने अपनी परंपराओं और स्थानीय संसाधनों के अनुरूप गणपति की आकर्षक झांकियां सजाई हैं। वहीं मनेंद्रगढ़ शहर में विभिन्न स्थानों पर पूजा–पाठ और धार्मिक आयोजनों से उत्सव का माहौल बना हुआ है। इस उत्सव की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि भक्ति के साथ सामाजिक जिम्मेदारी भी जुड़ी रहे। आयोजन समितियां स्वच्छता, यातायात व्यवस्था, ध्वनि की मर्यादा और सार्वजनिक स्थानों की व्यवस्था का ध्यान रखें तो उत्सव की गरिमा और बढ़ेगी। प्रशासन और पुलिस की जिम्मेदारी भी है कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और व्यवस्थित माहौल मिले।

गणपति बप्पा विघ्नहर्ता माने जाते हैं। इसलिए इस उत्सव की सार्थकता सिर्फ जयकारों की गूंज में नहीं, बल्कि समाज से आपसी वैमनस्य, अव्यवस्था और उदासीनता जैसे विघ्न दूर करने के संकल्प में भी है। वनांचल की धरती पर इस बार गणपति उत्सव आस्था के साथ एकता का संदेश भी दे रहा है—बप्पा आए हैं तो खुशियां बांटने के साथ समाज को जोड़ने का संकल्प भी मजबूत होना चाहिए।

राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अव्वल खिलाड़ी होंगे पुरस्कृत

सारंगढ़ बिलाईगढ़ । राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदान किए जाने वाले गुंडाधुर व महाराजा प्रवीरचंद्र भंजदेव सम्मान वर्ष 2026–27 के लिए पात्र खिलाड़ियों से आवेदन आमंत्रित की गई है। इसके लिए इच्छुक खिलाड़ी 20 से 30 सितंबर तक निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन कर सकते हैं। खिलाड़ी छत्तीसगढ़ का स्थानीय निवासी होना अथवा उपलब्धि वर्ष एवं पुरस्कार वर्ष में छत्तीसगढ़ की मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्था में अध्ययनरत होना या राज्य के शासकीय, अर्द्धशासकीय या सार्वजनिक उपक्रम में कार्यरत होना आवश्यक है। उपलब्धि वर्ष की गणना 1 अप्रैल से 31 मार्च तक की जाएगी।

सामूहिक रूप से किया जाएगा मूल्यांकन

गुंडाधुर सम्मान ऐसे खिलाड़ियों को प्रदान किया जाएगा, जिन्होंने इस वर्ष राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण, रजत या कांस्य पदक प्राप्त किया हो या अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया हो। वहीं महाराजा प्रवीरचंद्र भंजदेव सम्मान के लिए विशेष रूप से तीरंदाजी की राष्ट्रीय चैंपियनशिपया राष्ट्रीय खेलों में छत्तीसगढ़ की ओर से भाग लेकर पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर विचार किया जाएगा। तीरंदाजी में निर्धारित उपलब्धि नहीं होने की स्थिति में संबंधित नियमों के अनुसार अन्य खेलों के खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर भी विचार किया जा सकता है। दोनों सम्मानों में पुरुष एवं महिला खिलाड़ियों की उपलब्धियों का सामूहिक रूप से मूल्यांकन किया जाएगा।

पीएम जन मन से बदली राम की जिंदगी, कच्चे मकान से मिला पक्का आशियाना

ग्राम पंचायत बुंदेली के बैगापारा निवासी राम को मिला आवास, परिवार में खुशी का माहौल; प्रधानमंत्री के प्रति जताया आभार

संवाददाता ➤ एमसीबी

सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में जनकल्याणकारी योजनाओं से आमजन के जीवन में आए बदलाव की कहानियां सामने आ रही हैं। इसी क्रम में ग्राम पंचायत बुंदेली के बैगापारा निवासी राम, जो बैगा जनजाति से आते हैं, के जीवन में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम जन मन) के माध्यम से सकारात्मक बदलाव आया है। योजना के अंतर्गत पक्का आवास मिलने से उनके परिवार में खुशी का माहौल है और वर्षों से चली आ रही सुरक्षित घर की चिंता दूर हुई है।

कच्चे मकान की परेशानियों से मिली राहत

राम बताते हैं कि पहले उनका परिवार कच्चे मकान में रहता था। मकान की मजबूती और सुरक्षा को लेकर

हमेशा चिंता बनी रहती थी। विशेषकर बारिश के दिनों में घर की स्थिति खराब होने से परिवार की परेशानियां बढ़ जाती थीं। सीमित संसाधनों के कारण स्वयं पक्का मकान बनाना उनके लिए आसान नहीं था।

ऐसे में पीएम जनमन योजना के माध्यम से मिला पक्का आवास उनके परिवार के लिए बड़ी राहत लेकर आया। अब परिवार के पास एक सुरक्षित और मजबूत छत है, जहां वे मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों की चिंता से मुक्त होकर रह पा रहे हैं।

पक्का घर बना सुरक्षित भविष्य की नई शुरुआत

नया आवास राम और उनके परिवार के लिए केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि सुरक्षा, सम्मान और बेहतर भविष्य की नई शुरुआत है। पक्की छत मिलने से परिवार को मौसम संबंधी परेशानियों से राहत मिली है। साथ ही सुरक्षित आवास ने उनके मन में भविष्य को लेकर भरोसा और उम्मीद भी बढ़ाई है।

राम खुशी जाहिर करते हुए कहते हैं, ÷पहले कच्चे मकान में रहने के कारण बहुत परेशानी होती थी। अब पीएम जनमन योजना से पक्का मकान मिल गया है। इससे हमारा परिवार बहुत खुश है। सुरक्षित घर मिलने से हमारी बड़ी चिंता दूर हुई है। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को धन्यवाद देता हूं।÷

पीएम जन मन से जनजातीय परिवारों तक पहुंच रही बुनियादी सुविधाएं

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) के माध्यम से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (क्क्ङ्ञत) के परिवारों तक आवास सहित विभिन्न बुनियादी सुविधाओं का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य ऐसे परिवारों को आवश्यक सुविधाओं से जोड़ते हुए उनके जीवन स्तर में सुधार लाना है।

सेवा संकल्प अभियान में सामने आ रही बदलाव की तस्वीर

जिले में संचालित 'सेवा संकल्प अभियान' के माध्यम से शासकीय योजनाओं से लाभान्वित परिवारों के अनुभव और उनके जीवन में आए बदलावों को सामने लाया जा रहा है। राम की कहानी भी इसी बदलाव की एक तस्वीर है-जहां कभी कच्चे मकान की चिंता थी, वहीं आज पक्की छत के नीचे सुरक्षित भविष्य की उम्मीद है।

पीएम जनमन योजना के माध्यम से मिला आवास राम के परिवार के लिए सुविधा के साथ-साथ सुरक्षा, सम्मान और स्थायित्व का आधार बना है। यह बदलाव इस बात को रेखांकित करता है कि जब जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचता है, तो उनके जीवन में नई उम्मीद और सकारात्मक परिवर्तन की राह खुलती है।

कच्ची छत से पक्के आशियाने तक, पीएम जन मन ने बदली मोहन की जिंदगी

बैगापारा के बैगा परिवार को मिला सुरक्षित आवास, पक्के घर के साथ बढ़ी भविष्य की उम्मीद; प्रधानमंत्री के प्रति जताया आभार

एमसीबी कभी बारिश की बूंदों के बीच कच्ची छत को निहारते हुए परिवार की सुरक्षा की चिंता, तो कभी मौसम बदलने पर घर की मजबूती को लेकर डर ग्राम पंचायत बुंदेली के बैगापारा निवासी मोहन, जो बैगा जनजाति से आते हैं, के लिए सुरक्षित घर लंबे समय से एक सपना था। आज वही सपना हकीकत बन चुका है। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम जन मन) के तहत पक्का आवास मिलने से मोहन का परिवार अब सुरक्षित छत के नीचे सुकून की जिंदगी जी रहा है। यह बदलाव केवल एक घर मिलने की कहानी नहीं, बल्कि सेवा संकल्प के माध्यम से जरूरतमंद परिवार तक पहुंची शासन की संवेदनशील पहल और उसके जीवन में आए बदलाव की कहानी है।

कच्चे मकान में गुजरते थे मुश्किल दिन

मोहन बताते हैं कि उनका परिवार पहले कच्चे मकान में रहता था। घर की स्थिति ऐसी थी कि बारिश के दिनों में परिवार की चिंता बढ़ जाती थी। तेज बारिश और मौसम की मार के बीच घर को सुरक्षित रखना चुनौती बन जाता था। सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण पक्का मकान बनाना उनके लिए आसान नहीं था। अपने परिवार के लिए एक मजबूत और सुरक्षित घर का सपना तो था, लेकिन उसे पूरा करने के लिए आवश्यक संसाधन नहीं थे। ऐसे में पीएम जनमन योजना उनके लिए उम्मीद लेकर आई।

योजना का सहारा मिला, सपना हुआ साकार

पीएम जनमन योजना के तहत मोहन को पक्का आवास मिला। योजना के माध्यम से उपलब्ध कराए गए आवास ने उनके परिवार के वर्षों पुराने सपने को पूरा करने का रास्ता आसान किया। आज उनके सामने पक्की दीवार और मजबूत छत वाला अपना घर है। अब बारिश आने पर घर की मजबूती की चिंता नहीं सताती। परिवार के लिए यह आवास सुरक्षा के साथ सम्मान और स्थायित्व का आधार बन गया है।

पक्के घर के साथ चेहरे पर आई खुशी

नया घर मिलने के बाद मोहन और उनका परिवार बेहद खुश है। उनके लिए यह सिर्फ रहने की जगह नहीं, बल्कि जीवन में आए बदलाव का एहसास है। सुरक्षित आवास मिलने से परिवार के मन में भविष्य को लेकर भरोसा बढ़ा है।

मोहन खुशी जाहिर करते हुए कहते हैं, ÷पहले कच्चे मकान में रहने के कारण बहुत परेशानी होती थी। बारिश के समय घर को लेकर चिंता रहती थी। अब पीएम जनमन योजना से पक्का मकान मिल गया है। इससे हमारा परिवार बहुत खुश है और सुरक्षित महसूस करता है। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को धन्यवाद देता हूं।÷

पीएम जन मन से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय परिवारों तक पहुंच रही सेवा

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) के माध्यम से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (क्क्ङ्ञत) के परिवारों तक आवास सहित पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और आजीविका जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य ऐसे परिवारों को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप मूलभूत सुविधाओं से जोड़ते हुए उनके जीवन स्तर में सुधार लाना है। मोहन का परिवार भी इसी प्रयास से लाभान्वित होकर अब सुरक्षित आवास की सुविधा से जुड़ा है।

सेवा संकल्प से दिख रहा बदलाव, उम्मीद को मिल रही नई छत'सेवा संकल्प अभियान' जिले में जनसेवा और जन भागीदारी को मजबूत करते हुए शासन की योजनाओं से लोगों के जीवन में आए बदलाव को सामने लाने का माध्यम बन रहा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से रामप्रकाश के पक्के घर का सपना हुआ साकार

रामप्रकाश का सपना था कि उनका भी अपना एक सुरक्षित और पक्का घर हो, जहां वे अपने परिवार के साथ सुख-शांति से रह सकें

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

प्रधानमंत्री आवास योजना ने आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए अपने पक्के घर का सपना साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसी क्रम में लोहरा झोरकी गौरेला निवासी रामप्रकाश भी प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) से लाभान्वित हुए हैं। रामप्रकाश का सपना था कि उनका भी अपना एक सुरक्षित और पक्का घर हो, जहां वे अपने परिवार के साथ सुख-शांति से रह सकें। आर्थिक परिस्थितियां अनुकूल नहीं होने के कारण उनके लिए पक्का मकान बनाना

आसान नहीं था। ऐसे समय में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) उनके लिए आशा की किरण बनी। योजना के अंतर्गत प्राप्त सहायता से रामप्रकाश के आवास निर्माण का कार्य प्रारंभ हुआ और आज उनका प्रधानमंत्री आवास पूर्ण होकर तैयार हो चुका है। पक्का घर मिलने से रामप्रकाश और उनका परिवार सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन की ओर आगे बढ़ रहा है। रामप्रकाश बताते हैं कि पक्का मकान उनके लिए केवल एक घर नहीं, बल्कि सुरक्षा, सम्मान और बेहतर भविष्य का आधार है। अपने स्वयं के पक्के आवास का सपना पूरा होने पर वे शासन की इस योजना के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के माध्यम से रामप्रकाश जैसे हितग्राहियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। यह आवास उनके परिवार के लिए सुरक्षित आश्रय के साथ-साथ आत्मविश्वास, सम्मान और खुशहाल जीवन की नई शुरुआत का प्रतीक बन गया है।

सेवा संकल्प अभियानः पीएम जन मन से बदली समरिया की जिंदगी, कच्चे मकान से मिला पक्का आशियाना

ग्राम पंचायत बुंदेली के बैगापारा निवासी समरिया को मिला नया आवास, सुरक्षित जीवन की नई शुरुआत; प्रधानमंत्री के प्रति जताया आभार

संवाददाता ➤ एमसीबी

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) विशेष रूप से कमजोर जनजातीय परिवारों के जीवन में बदलाव और उन्हें मूलभूत सुविधाओं से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहा है। जिले की ग्राम पंचायत बुंदेली के बैगापारा निवासी समरिया, जो बैगा जनजाति से आती हैं, पीएम जनमन के तहत मिला पक्का आवास खुशियों और नई उम्मीद का कारण बना है। कभी कच्चे मकान में मौसम की मार झेलने वाला उनका परिवार अब पक्की छत के नीचे सुरक्षित जीवन की नई शुरुआत कर रहा है।

कच्चे मकान की परेशानियों से मिली राहत

समरिया बताती हैं कि उनका परिवार लंबे समय से कच्चे मकान में रह रहा था। बारिश के दिनों में मकान की स्थिति खराब हो जाती थी और मौसम बदलने के साथ घर की मजबूती एवं सुरक्षा को लेकर चिंता बनी रहती थी। सीमित संसाधनों के कारण स्वयं पक्का मकान बनाना उनके लिए आसान नहीं था। ऐसे में पीएम जनमन के माध्यम से मिला पक्का आवास उनके परिवार के लिए

बड़ी राहत बनकर आया।

अब पक्का घर मिलने के बाद परिवार को मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों से सुरक्षा मिली है। घर की मजबूत छत ने उनकी वर्षों पुरानी चिंता को कम किया है और परिवार के जीवन में स्थायित्व का भाव पैदा किया है।

पक्का घर बना सुरक्षित भविष्य का आधार

समरिया के लिए नया आवास केवल एक मकान नहीं, बल्कि सुरक्षा, सम्मान और बेहतर भविष्य की नई शुरुआत है। पक्का घर मिलने से परिवार के दैनिक जीवन में सुविधा आई है और भविष्य को लेकर उनका भरोसा भी बढ़ा है।

समरिया खुशी के साथ कहती हैं, ÷पहले कच्चे मकान में बहुत परेशानी होती थी, लेकिन अब पक्का घर मिल गया है।

लक्ष्मण को मिला अपना घर, सुरक्षित भविष्य की ओर बढ़ा परिवार

सपना था पक्के आशियाने का, पीएम जनमन योजना ने किया साकार

संवाददाता ➤ एमसीबी

हर परिवार का सपना होता है कि उसका अपना एक सुरक्षित और पक्का घर हो, जहां वह अपने परिवार के साथ निश्चिंत होकर जीवन बिता सके। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह सपना कई बार लंबे समय तक अधूरा रह जाता है। ऐसे परिवारों के लिए पीएम जनमन आवास योजना उम्मीद और सहारे का माध्यम बन रही है। जनपद पंचायत खड़गवां के ग्राम नेवारी निवासी लक्ष्मण पिता सुखलाल के जीवन में भी इस योजना ने पक्के आवास का सपना साकार कर नई उम्मीद जगाई है।

वर्षों से था पक्के घर का इंतजार

लक्ष्मण के लिए अपने परिवार के लिए पक्का और सुरक्षित घर बनाना आसान नहीं था। सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण मकान निर्माण उनके लिए बड़ी चुनौती थी। ऐसे समय में शासन की पीएम जनमन आवास योजना उनके परिवार के लिए सहारा बनी। वर्ष 2023-24 में उनका आवास स्वीकृत हुआ और 2 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई। योजना से मिले सहयोग ने उनके पक्के घर के सपने को हकीकत में बदलने का रास्ता आसान किया।

सहायता मिली तो सपने ने लिया आकार

आवास के लिए स्वीकृत राशि मिलने के बाद लक्ष्मण के परिवार के लिए अपने घर को पक्का और सुरक्षित स्वरूप देना संभव हुआ। आज पक्का मकान उनके परिवार के लिए सिर्फ ईंट और सीमेंट से बना घर नहीं, बल्कि सुरक्षा, स्थायित्व और सम्मान का आधार है। पक्की छत मिलने से मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों और असुरक्षित आवास की चिंता से राहत मिली है।

पक्के घर के साथ बढ़ा आत्मविश्वास

पक्का आवास मिलने से लक्ष्मण के परिवार के जीवन में सुविधा के साथ आत्मविश्वास भी बढ़ा है। सुरक्षित घर ने परिवार को बेहतर वातावरण दिया है और भविष्य को लेकर उम्मीद मजबूत हुई है। लक्ष्मण का परिवार अब अपने आशियाने को केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि सुरक्षित और खुशहाल भविष्य की नींव के रूप में देखता है।

प्रधानमंत्री के प्रति जताया आभार

पक्के आवास का सपना पूरा होने पर लक्ष्मण ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पीएम जनमन आवास योजना के माध्यम से मिला पक्का घर उनके परिवार के लिए बड़ी सौगात है। उन्होंने इस पहल के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार के प्रति भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पक्का घर मिलने से उनके परिवार को सुरक्षा, सुविधा और सम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर मिला है।

न्यूज इन शॉर्ट

अगस्त 2026 में उत्कृष्ट टिकट चेकिंग प्रदर्शन करने वाले 09 रेलकर्मियों को मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद (छ्त्रक्र) ने किया सम्मानित

रायपुर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल में टिकट चेकिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों के उत्साहवर्धन एवं उनके उत्कृष्ट कार्य की सराहना के उद्देश्य से आज मंडल रेल प्रबंधक, रायपुर श्री दयानंद द्वारा अगस्त 2026 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले टिकट चेकिंग कर्मचारियों को प्रशंसा प्रमाण–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ सुस्कर विपुल विलासराव, सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री अविनाश कुमार आनंद सहित सम्बंधित कर्मचारी उपस्थित रहे । मंडल रेल प्रबंधक, रायपुर द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को प्रशंसा प्रमाण–पत्र प्रदान कर उनके समर्पण एवं कार्य के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की गई। यह पहल टिकट चेकिंग स्टाफ के मनोबल को बढ़ाने के साथ–साथ उन्हें आगामी महीनों में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। टिकट चेकिंग कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे प्रभावी टिकट जांच कार्य से न केवल रेल राजस्व में वृद्धि होती है, बल्कि यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने के लिए भी प्रोत्साहन मिलता है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित करने से अन्य कर्मचारियों में भी स्वस्थ प्रतिस्पर्धा एवं बेहतर प्रदर्शन की भावना को बढ़ावा मिलेगा। अगस्त 2026 माह में रायपुर रेल मंडल के स्टेशन टिकट चेकिंग, लाइन टिकट चेकिंग एवं स्काड चेकिंग श्रेणियों के अंतर्गत सर्वाधिक टिकट चेकिंग आय अर्जित करने वाले कुल 09 टिकट चेकिंग स्टाफ को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। टिकट चेकिंग लाइन स्टाफ में सर्वाधिक आय अर्जित करने के लिए– श्री देवरत मल, सीटीआई/ रायपुर, श्री बी. एल. कैवर्त्य, डिप्टी सीटीआई/ रायपुर, श्री नीरज कांत, सीनियर टीई/ दुर्ग, सम्मानित हुए। स्टेशन टिकट चेकिंग में सर्वाधिक आय अर्जित करने के लिए – श्री अमित आनंद, सीसीटीसी/ रायपुर, श्री नंदकिशोर, सीसीटीसी/ दुर्ग, श्री शशि कुमार सीनियर टीई/ रायपुर सम्मानित हुए। रायपुर एवं दुर्ग स्काड में सर्वाधिक आय अर्जित करने के लिए – श्रीमती शिप्रा घोष, डिप्टी सीटीआई/दुर्ग, श्रीमती मनजीत कौर, सीनियर टीई/ दुर्ग, श्रीमती इंदु गुप्ता, सीनियर टीई/ दुर्ग सम्मानित हुए।

रायपुर रेल मंडल द्वारा टिकट चेकिंग कार्य को और अधिक प्रभावी बनाने तथा रेल राजस्व में वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मंडल प्रशासन ने सभी टिकट चेकिंग कर्मचारियों से इसी उत्साह एवं समर्पण के साथ कार्य करते हुए आने वाले महीनों में और बेहतर परिणाम प्राप्त करने का आह्वान किया है।

कोटपा एक्ट के उल्लंघन पर 10 दुकानों और पान ठेलों पर चालानी कार्रवाई

सारंगढ़–बिलाईगढ़, । राज्य शासन, नियंत्रक एवं कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू के निर्देशानुसार जिले में तंबाकू उत्पादों के उपयोग एवं बिक्री पर नियंत्रण तथा कोटपा अधिनियम 2003 के प्रावधानों के पालन को लेकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में स्वास्थ्य विभाग एवं खाद्य एवं औषधि प्रशासन की संयुक्त टीम ने बिलाईगढ़ तहसील के गिरसा एवं गोपालपुर क्षेत्र में संचालित पान ठेलों, गुमटियों, किराना दुकानों, होटलों, रेस्टोरेंट एवं चाय दुकानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कोटपा अधिनियम 2003 के प्रावधानों का उल्लंघन पाए जाने पर कुल 10 प्रतिष्ठानों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। संबंधित दुकानदारों से कुल 720 रुपए का जुर्माना वसूल किया गया। कार्रवाई के दौरान दुकानदारों को तंबाकू उत्पादों की बिक्री, प्रदर्शन एवं उपयोग से संबंधित निर्धारित प्रावधानों का पालन करने तथा नियमों का उल्लंघन नहीं करने की समझाइश भी दी गई।

नशीले इंजेक्शन के प्रकरण में फरार आरोपी महेश नायक गिरफ्तार

जिला एम.सी.बी. पुलिस द्वारा नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा

संवाददाता ➤ रायपुर

श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदया श्रीमती रत्ना सिंह (द्धक्क्र), जिला एम.सी.बी. के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय तथा नगर पुलिस अधीक्षक महोदय के मार्गदर्शन में जिले में नशीले पदार्थों की बिक्री एवं अवैध कारोबार के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में थाना चिरमिरी में नशीले इंजेक्शन के प्रकरण में पूर्व में गिरफ्तार आरोपी आशीष जायसवाल, पिता स्व. रामलखन जायसवाल, उम्र 38 वर्ष, निवासी टिकरापारा बड़ा बाजार चिरमिरी के कब्जे से 26 नग, कुल 52 नग, कीमत लगभग 18,200 तथा घटना में प्रयुक्त स्कूटी एवं मोबाइल सहित कुल 53,200 का मशरूका जप्त किया गया था। प्रकरण में आरोपी आशीष जायसवाल को दिनांक 17.09.2026 को धारा 22(ष्ट) हृष्ठक्क्र ष्ह्ل के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया था।

प्रकरण में शामिल अन्य आरोपी महेश नायक, पिता राजू नायक, निवासी टिकरापारा, घटना दिनांक से फरार था। पुलिस टीम द्वारा लगातार आरोपी की तलाश एवं पतासाजी की जा रही थी। आरोपी महेश नायक को टिकरापारा से पकड़ा गया।

पूछताछ के दौरान आरोपी महेश नायक द्वारा घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए नशीले इंजेक्शन छोटी बाजार कब्रिस्तान के पास छिपाकर रखना बताया गया। आरोपी की निशानदेही पर गवाहों के समक्ष– कुल 24 नग नशीले इंजेक्शन, कीमत लगभग ?8,400/- जप्त कर पुलिस कब्जे में लिया गया।

आरोपी महेश नायक को प्रकरण में विधिवत गिरफ्तार कर दिनांक 21.09.2026 को न्यायिक अभिरक्षा हेतु माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी वासुदेव परगनिहा, प्रधान आरक्षक अशोक मलिक आर., आरक्षक सुरेश तिग्गा, सैनिक प्रमोद, सैनिक 158 रामजी गुप्ता सहित थाना चिरमिरी पुलिस टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जिला एम.सी.बी. पुलिस द्वारा नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा।

11वें आयुर्वेद दिवस पर मनेन्द्रगढ़ में होंगे स्वास्थ्य, योग और जागरूकता के विविध आयोजन

23 सितंबर को नि:शुल्क आयुष स्वास्थ्य शिविर, संगोष्ठी एवं योग–ध्यान सत्र का होगा आयोजन

संवाददाता ➤ एमसीबी

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में 11वें आयुर्वेद दिवस एवं सेवा संकल्प अभियान के अवसर पर आयुष विभाग द्वारा नागरिकों को आयुर्वेद, योग, स्वस्थ जीवनशैली एवं प्राकृतिक स्वास्थ्य पद्धतियों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 23 सितंबर 2026, बुधवार को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष आयुर्वेद दिवस की थीम ÷आयुर्वेद फॉर ए हेल्दी टुमॉरो÷ (स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद) रखी गई है। आयुष विभाग एमसीबी द्वारा आयोजित इन कार्यक्रमों में आम नागरिकों को आयुर्वेद एवं होम्योपैथी चिकित्सा परामर्श, नि:शुल्क औषधि, योग एवं ध्यान तथा स्वस्थ जीवनशैली से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। भगत सिंह चौक में लगेगा नि:शुल्क आयुष स्वास्थ्य शिविर मनेन्द्रगढ़ के भगत सिंह चौक बस स्टैंड तिराहा में प्रातः 11 बजे से शाम 4 बजे तक

नि:शुल्क आयुष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में आयुर्वेद एवं होम्योपैथी के चिकित्सकों द्वारा नागरिकों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्रदान किया जाएगा तथा आवश्यकतानुसार नि:शुल्क औषधियों का वितरण किया जाएगा। शिविर में नागरिकों को अपनी प्रकृति जानने का अवसर भी मिलेगा। साथ ही ÷रसोई घर से स्वास्थ्य÷ की अवधारणा के माध्यम से दैनिक जीवन में उपलब्ध खाद्य पदार्थों एवं घरेलू संसाधनों के उचित उपयोग से स्वस्थ रहने की जानकारी दी जाएगी।

विवेकानंद महाविद्यालय में होगी आयुर्वेद

विषयक संगोष्ठी

विवेकानंद महाविद्यालय मनेन्द्रगढ़ में प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयुर्वेद विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। संगोष्ठी में विद्यार्थियों एवं उपस्थित लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी जाएगी। इस दौरान ऋतुचर्या, दिनचर्या, रसोई घर से स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य एवं नशा मुक्ति जैसे विषयों पर आयुर्वेद आधारित उपयोगी जानकारी साझा की जाएगी। बदलते मौसम के अनुरूप खान-पान एवं दिनचर्या में आवश्यक बदलाव, नियमित जीवनशैली, मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल तथा नशे से दूर रहने के उपायों के संबंध में भी जागरूक किया जाएगा।

वाद्य यंत्र अनुदान योजना के तहत लोक कला दल 28 सितंबर तक प्रस्तुत कर सकते है आवेदन

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, जिले की लोक कला एवं सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण, संवर्धन तथा कलाकारों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से ''संगीत की दुर्लभ शैलियों व वाद्यों हेतु संचालित योजना'' के अंतर्गत लोक कला दलों को वाद्य यंत्र हेतु वित्तीय सहायता अनुदान प्रदान किया जाना है। संचालनालय संस्कृति एवं राजभाषा, छत्तीसगढ़ द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में जिले के कार्यशील लोककला दलों को वाद्य यंत्र हेतु सहायक अनुदान उपलब्ध कराने के संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं। इसके तहत कलेक्टर कार्यालय द्वारा जिले के सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों और नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को परिपत्र जारी कर दिया गया है। लोक कला दल निर्धारित प्रारुप में आवश्यक जानकारी के साथ 28 सितंबर 2026 तक संबंधित नगरीय निकाय एवं जनपद पंचायत कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत अरपा उद्गम स्थल के समीप नदी घाट स्वच्छता एवं जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने स्वच्छता अभियान में सहभागिता कर जल स्रोतों के संरक्षण का दिया संदेश

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं नगरीय प्रशासन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में नगर पालिका परिषद पेण्ड्रा में अरपा उद्गम स्थल के समीप नदी घाट स्वच्छता अभियान एवं नगरीय जल स्रोत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जल स्रोतों की स्वच्छता, संरक्षण एवं जल संवर्धन के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम में

मरवाही विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री प्रणव कुमार मरपची, जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री समीरा पैंकरा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री राजा उपेन्द्र बहादुर, नगर पालिका परिषद पेण्ड्रा के उपाध्यक्ष श्री शरद गुप्ता श्री लालजी यादव, श्री राकेश चतुर्वेदी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामय उपस्थिति रही।

शासकीय पॉलीटेक्निक मरवाही में अंशकालीन व्याख्याता के एक पद हेतु आवेदन आमंत्रित

आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर, साक्षात्कार 7 अक्टूबर को

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

शासकीय पॉलीटेक्निक मरवाही में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग शाखा में अंशकालीन व्याख्याता के एक पद पर पूर्णतः अस्थायी रूप से नियुक्ति हेतु योग्य अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी निर्धारित प्रारूप में गूगल फॉर्म के माध्यम से 30 सितंबर 2026 को शाम 5 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। निर्धारित समय-सीमा के पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। अभ्यर्थी के पास मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय अथवा संस्था से इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी की संबंधित शाखा में प्रथम श्रेणी की स्नातक उपाधि अथवा समकक्ष योग्यता होना आवश्यक है। इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर उपाधि होने पर निर्धारित नियमों के अनुसार पात्रता मान्य होगी। शैक्षणिक योग्यता एवं अन्य मापदंड एआईसीटीई

की अधिसूचना दिनांक 28 अप्रैल 2017 के अनुरूप होंगे।

प्राप्त आवेदनों का मूल्यांकन निम्नानुसार किया जाएगा बी.ई./बी.टेक. के प्राप्तांक 60 अंक, एम.ई./एम.टेक. के प्रामाण पत्र 10 अंक, अनुभव (2 अंक प्रति वर्ष अधिकतम 10 अंक), साक्षात्कार 20 अंक निर्धारित है। नियुक्ति केवल एक शैक्षणिक सत्र अथवा नियमित नियुक्ति/पदस्थापना होने तक, जो पहले हो, के लिए प्रभावी होगी। अध्यापन कार्य के लिए वर्तमान में प्रति पीरियड 800 रुपये पारिश्रमिक देय होगा, जिसकी अधिकतम सीमा 56,100 रुपये प्रतिमाह निर्धारित है।

जीरो टॉलरेंस और स्थानांतरण नीति पर सवाल, मजदूरी भुगतान से लेकर मशीनों के इस्तेमाल तक जांच की मांग

12 वर्षों से एक ही जगह अंगद के पैर की तरह जमे वन परिक्षेत्र सोनहत के बाबू

संवाददाता ➤ कोरिया

बैकुंठपुर वन मंडल के सोनहत वन परिक्षेत्र में लंबे समय से पदस्थ बाबू दिनेश दुबे को लेकर अब विभागीय व्यवस्था और स्थानांतरण नीति पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। करीब 12 वर्षों से एक ही जगह पर जमे रहने को लेकर सवाल यह है कि आखिर ऐसी कौन-सी वजह है कि लगातार रेंजर और अधिकारी बदलते रहे, लेकिन बाबू की कुर्सी जस की तस बनी रही?

वन विभाग में रेंजर से लेकर डिप्टी रेंजर और बीट स्तर तक के कर्मचारियों के कामकाज में कार्यालयीन प्रक्रिया की अहम भूमिका होती है। ऐसे में लंबे समय से एक ही स्थान पर बैठे कर्मचारी की विभागीय कार्यों में बढ़ती पकड़ को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि कई महत्वपूर्ण कार्यों में कागजी प्रक्रिया से लेकर भुगतान संबंधी दस्तावेजों तक बाबू की भूमिका अहम रहती है।

मशीनों से काम, मजदूरों के नाम भुगतान का सवाल

सोनहत वन परिक्षेत्र में निर्माण एवं अन्य कार्यों में मजदूरों की जगह मशीनों के इस्तेमाल और उसके बाद मजदूरी भुगतान

को लेकर सबसे बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है। सवाल यह है कि यदि किसी कार्य को मशीनों से कराया गया, तो फिर मजदूरी मद में भुगतान किन लोगों के नाम किया गया?

जानकारी के अनुसार मजदूरी भुगतान के दस्तावेजों की निष्पक्ष जांच की जाए तो ऐसे नाम सामने आ सकते हैं, जिन्होंने मौके पर काम ही नहीं किया। यही नहीं, विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों से जुड़े लोगों के नाम मजदूरी भुगतान में शामिल होने की बात भी सामने आने की चर्चा है। हालांकि इसकी वास्तविकता मस्टर रोल, भुगतान अभिलेख, बैंक खातों और मौके पर हुए कार्य की जांच से ही साफ होगी।

कागजों में मजदूर, जमीन पर मशीनें?

मामला सिर्फ मजदूरी भुगतान तक सीमित नहीं है। यदि निर्माण कार्य वास्तव में मशीनों से हुए हैं और कागजों में बड़ी संख्या में मजदूर दिखाकर भुगतान किया गया है, तो यह सरकारी धन और वास्तविक मजदूरों के हक से जुड़ा गंभीर विषय बन जाता है।

सवाल सीधा है–मजदूरों ने काम नहीं किया तो भुगतान किस आधार पर हुआ और यदि मजदूरों ने काम किया तो मशीनों से काम कराने की जरूरत क्यों पड़ी?

हाल ही में रातों-रात तालाब निर्माण से जुड़ा मामला भी चर्चा में रहा है। ऐसे में सोनहत परिक्षेत्र में हुए निर्माण कार्यों, मस्टर रोल, मजदूरी भुगतान, मशीनों के उपयोग और सामग्री खरीदी की जांच एक साथ कराए जाने की मांग उठ रही है।

12 साल की कुर्सी और विभाग की स्थानांतरण नीति

सरकारी विभागों में लंबे समय तक एक ही जगह पदस्थ रहने वाले कर्मचारियों की भूमिका और प्रभाव को लेकर समय-समय पर स्थानांतरण नीति बनाई जाती रही है। इसके बावजूद सोनहत परिक्षेत्र में बाबू के करीब 12 वर्षों से जमे रहने को लेकर अब विभागीय नीति पर ही सवाल खड़े हो रहे हैं।

जीरो टॉलरेंस की नीति आखिर जमीन पर कहां लागू है?

स्थानांतरण नीति का पालन सोनहत में क्यों नहीं दिखाई देता?

क्या 12 साल की एक ही जगह की पदस्थापना विभागीय नियमों के अनुरूप है?

ये सवाल अब वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों के सामने खड़े हैं।

डीएफओ से जांच की उम्मीद, दस्तावेज खोल सकते हैं पूरा राज

अब निगाहें बैकुंठपुर वन मंडल के वनमंडलाधिकारी चंद्रशेखर शंकर सिंह परदेशी पर हैं। सवाल यह है कि क्या सोनहत परिक्षेत्र में हुए मजदूरी भुगतानों की स्वतंत्र जांच कराई जाएगी? क्या मस्टर रोल में दर्ज मजदूरों का भौतिक सत्यापन होगा? क्या भुगतान खातों की जांच होगी? और क्या मशीनों से कराए गए कार्यों का रिकॉर्ड से मिलान किया जाएगा?

यदि जांच निष्पक्ष तरीके से हुई तो मस्टर रोल, भुगतान अभिलेख, बैंक खातों, कार्यस्थल की स्थिति और मशीनों के इस्तेमाल का रिकॉर्ड कई सवालों के जवाब दे सकता है।

12 वर्षों से एक ही जगह जमी कुर्सी से लेकर मजदूरी भुगतान तक–सोनहत वन परिक्षेत्र अब जांच की चौखट पर खड़ा है। विभाग जांच करता है या फाइलों के नीचे सवाल दबा दिए जाते हैं, यह आने वाला समय बताएगा।

न्यूज इन शॉर्ट

शौहर निकला शैतान, गला दबाने से गई थी महिला की जान, हिरासत में हसबैंड

दुर्ग- धमधा थाना इलाके के ग्राम अगार में विवाहित महिला की संदिग्ध परिस्थियों में मौत हो गई। मृतक महिला के पति का कहना था कि उसकी पत्नी की मौत हार्ट अटैक आने से हुई है। पति के बयान के आधार पर शुरुआत में सभी को ऐसा ही होना नजर आया। महिला के मायके वालों को जब सूचना मिली की उनकी बेटी की हार्ट अटैक से मौत हो गई है, तो वो भी बेटी के मायके पहुंचे। शव को जब परिवार वालों ने करीब से देखा तो पाया कि महिला के गले पर कुछ निशान पड़े हैं। मायके वालों को थोड़ा संदेह हुआ। जिसके बाद परिवार वालों ने महिला की मौत की शिकायत पुलिस में की।पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पीएम रिपोर्ट आने के बाद साफ हो गया कि महिला की मौत हार्ट अटैक से नहीं हुई, बल्कि महिला की मौत गला दबाने से हुई है। मृतक महिला के गले पर जो निशान मिले हैं को गला दबाने से बने हैं। पुलिस ने तत्काल आरोपी पति को हिरासत में ले लिया है। आरोपी पति से धमधा थाना पुलिस वारदात के संबंध में पूछताछ कर रही है।परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों की शिकायत के बाद महिला के शव का हमने पीएम कराया। पीएम रिपोर्ट में महिला की मौत की वजह गला दबाना सामने आया। मौत की वजह साफ होने के बाद हमने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की है- महेश ध्रुव, थाना प्रभारी, धमधा

तक महिला का नाम अन्नू खांडे था और उसका ससुराल अगार गांव में है। धमधा पुलिस की जांच में ये बात सामने आई है कि पति-पत्नी के बीच अक्सर छोटी-मोटी बातों को लेकर विवाद होता रहता था। वारदात वाले दिन भी दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ। विवाद इतना बढ़ा कि आरोपी पति ने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या की वारदात को छिपाने के लिए आरोपी ने सभी को यही बताया कि उसकी पत्नी की मौत हार्ट अटैक आने से हुई है।

लिव इन पार्टनर की हत्या कर सेप्टिक टैंक में छिपाया शव, फैली सनसनी

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले से हत्या की एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां एक युवक पर अपनी लिव इन पार्टनर की हत्या कर उसके शव को सेप्टिक टैंक में छिपाने का आरोप लगा है। कई दिनों तक आरोपी महिला के परिजनों को गुमराह करता रहा, लेकिन रक्षाबंधन के दिन जब महिला अपने मायके नहीं पहुंची तो परिवार वालों को शक हुआ। तलाश के दौरान घर की बाड़ी में बने सेप्टिक टैंक से महिला का शव बरामद हुआ। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। यह पूरा मामला कोरबा जिले के श्यांग थाना क्षेत्र अंतर्गत बरपाली गांव का है। पुलिस के अनुसार, 33 वर्षीय संतोषी नाम की महिला आरोपी मनोज उरांव के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रह रही थी। बताया जा रहा है कि मनोज नशे का आदी था और दोनों के बीच अक्सर विवाद होता रहता था।

27 अगस्त को आरोपी और संतोषी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि इस दौरान मनोज ने महिला के साथ मारपीट की, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी ने शव को ठिकाने लगाने के लिए घर की बाड़ी में बने सेप्टिक टैंक का इस्तेमाल किया और शव को उसके अंदर डालकर छिपा दिया। इसके बाद आरोपी ने संतोषी के भाइयों को गुमराह किया और महिला के बारे में गलत जानकारी देता रहा। कई दिनों तक परिवार वालों को उसकी कोई जानकारी नहीं मिली। रक्षाबंधन के मौके पर जब संतोषी अपने मायके नहीं पहुंची तो उसके भाइयों ने उसकी तलाश शुरू की। द्यह्य ऋद्धस्र – टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत विजय को मिली टीबी से मुक्ति परिजनों ने जब आरोपी के घर जाकर जानकारी ली तो उन्हें कुछ संदेह हुआ। इसी दौरान उन्होंने घर की बाड़ी में बने सेप्टिक टैंक का ढक्कन खुला देखा। टैंक से दुर्गंध आने पर उन्होंने अंदर जांच की, जिसके बाद महिला का शव दिखाई दिया। इसके बाद तत्काल मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद श्यांग थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कार्यपालिक दंडाधिकारी की मौजूदगी में सेप्टिक टैंक से शव को बाहर निकलवाया और पंचनामा कार्रवाई पूरी की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, ताकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सके।

सेवा संकल्प अभियान को जनभागीदारी का व्यापक अभियान बनाने के निर्देश

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की समीक्षा की

मुख्य सचिव ने कलेक्टर्स के साथ की वीडियो कॉन्फ्रेंस

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की समीक्षा की

संवाददाता ➤ रायपुर

मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन से राज्य के सभी जिलों के कलेक्टरों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की समीक्षा की गई।

प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित किया जा रहा है। वीडियो कॉन्फ्रेंस में मुख्य सचिव ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान को केवल एक आयोजन के रूप में नहीं लेकर इसे जनभागीदारी और एक-दूसरे की मदद की संस्कृति को मजबूत करने के अवसर के रूप में लिया जाना चाहिए। उन्होंने कलेक्टरों एवं अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में अभियान की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आयोजित करते हुए ज्यादा से ज्यादा लोगों, स्वयंसेवी संस्थाओं और सामाजिक संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

मुख्य सचिव ने कलेक्टरों से कहा कि जिलों में प्रभारी मंत्री के मार्गदर्शन में ब्लाक एवं तहसील स्तर पर सेवा संकल्प अभियान के दौरान आयोजित होने वाले शिविरों में लोगों को भागीदार बनाकर उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाए। इस संबंध में माननीय मंत्रीगणों से आवश्यक बैठक एवं चर्चा सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव ने कहा कि शिविरों में केन्द्र शासन की चिन्हित 26 प्रमुख योजनाओं को शामिल किया जाना है। इस संबंध में योजनाओं के हितग्राहियों की जानकारी अद्यतन कर ली जाए। मुख्य सचिव ने कलेक्टर्स को फसल गिरदावरी सर्वे, जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन के कार्यों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सेवा मेरा योगदान के तहत विभिन्न गतिविधियां

23 से 25 सितंबर तक सभी जिलों के नगरीय निकाय क्षेत्रों में तथा 2 से 8 अक्टूबर तक प्रदेशभर में सेवा मेरा योगदान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें सेवा एवं स्वच्छता, अन्न एवं वस्त्र दान, विद्या दान एवं शिक्षा सहयोग, कौशल एवं ज्ञान दान, हरित छत्तीसगढ़ एवं पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य एवं रक्तदान, अंगदान एवं देहदान, सामाजिक सुरक्षा एवं जागरूकता तथा स्थानीय उत्पादन एवं महिला सशक्तिकरण जैसी गतिविधियां शामिल हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि इन गतिविधियों में एनसीसी, एनएसएस, स्वयंसेवक, स्व-सहायता समूह, सामाजिक संस्थाओं, युवा संगठनों तथा 'मेरा युवा भारत' सहित विभिन्न सहयोगी संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। सभी गतिविधियों को माय भारत पोर्टल पर फोटोग्राफ्स सहित अपलोड करने के निर्देश दिए गए।

देहदान, अंग दान करने वाले परिवारों को किया जाए सम्मानित

मुख्य सचिव ने कलेक्टरों से कहा है कि जिन परिवारों के मृत परिजनों द्वारा देह एवं अंग दान किया जाता है उन परिवारों को सम्मानित किया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि जिन लोगों को दान के अंगों का उपयोग किया गया है। उनके परिवारों को भी कार्यक्रम में शामिल किया जाए एवं उनसे उनकी त्वरित प्रतिक्रिया भी ली जाए। यह कार्यक्रम सिर्फ अभियान तक सीमित न रहे इसके लिए समय-समय पर लोगों के लिए ज्यादा से ज्यादा जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित हो, जिससे लोग अंग दान करने सहर्ष तैयार हो एवं आगे आए।

हरित छत्तीसगढ़ अभियान को एक पेड़ मां के नाम' के साथ शामिल कर किया जाएगा 10 हजार पौधों का रोपण

हरित छत्तीसगढ़ अभियान के अंतर्गत 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के तहत स्थानीय प्रजातियों के 10 हजार पौधों का रोपण करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्य सचिव ने पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सेवा मेरा योगदान उत्सव को सेवा संकल्प एवं दान उत्सव रूप में मनाया जाएगा

सेवा संकल्प एवं दान उत्सव 23 से 25 सितम्बर तक प्रदेश के सभी जिलों के नगरीय निकायों में आयोजित होगा। इसी तैयारी के संबंध में कलेक्टरों से आवश्यक चर्चा की गई। इसी प्रकार इस उत्सव का 2 से 8 अक्टूबर तक प्रदेश भर में उत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। सेवा संकल्प एवं दान उत्सव के अंतर्गत विविध गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। इसमें सेवा एवं स्वच्छता, विद्या दान एवं शिक्षा सहयोग, अन्न एवं वस्त्र दान, कौशल ज्ञान दान एवं प्रशिक्षण की गतिविधियां बड़े स्तर पर की जायेंगी। जल संरक्षण एवं जल स्त्रोतों की साफ-सफाई की जाएगी। पर्यावरण संरक्षण एवं प्लास्टिक अभियान के तहत गतिविधियां आयोजित होगी। राज्यव्यापी अभियान के अंतर्गत महा रक्त दान, मेगा कैम्प एवं निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित की जाएगी। सामूहिक गतिविधियों के अंतर्गत महा अन्नदान अभियान व गरिमा किट का वितरण होगा। सभी जिलों में बुक ट्री, स्कूल किट एवं वंचित बच्चों हेतु शिक्षा में सहयोग के कार्यक्रम आयोजित होंगे।

मुख्य सचिव ने आयोजित होने वाले दान उत्सव को प्रभावी ढंग से आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दान उत्सव की गतिविधियों का लाभ अनाथालयों, वृद्धाश्रमों और जरूरतमंद वर्गों तक पहुंचे। सामाजिक संस्थाओं एवं समितियों को भी इसमें सक्रिय रूप से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि अभियान में प्रमुख गतिविधियों पर विशेष फोकस कर उनका प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए, ताकि इन प्रयासों को आगे भी निरंतर जारी रखते हुए संस्थागत रूप दिया जा सके। उन्होंने दान उत्सव के समापन पर उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को सम्मानित करने के निर्देश भी दिए।

सेवा सेतु शिविरों में आवेदन का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करें

मुख्य सचिव ने कहा कि सेवा सेतु शिविरों में प्राप्त आवेदनों को व्यवस्थित रूप से एकत्र कर उनका परीक्षण एवं निराकरण किया जाए। शिविरों में आने वाले प्रत्येक प्रकरण का समय-सीमा में समाधान सुनिश्चित हो। उन्होंने अधिकारियों को प्रोएक्टिव होकर कार्य करने तथा शिविरों को परिणाम आधारित बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने शिविरों में केंद्र सरकार की चिन्हित 26 प्रमुख योजनाओं को शामिल करने तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। साथ ही मुख्यमंत्री हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी में उपलब्ध शिकायतों की समीक्षा कर उनका समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने को कहा।

कलेक्टरों को प्रभावी नेतृत्व के निर्देश

मुख्य सचिव ने कलेक्टरों से कहा कि ÷आप जिले के लीडर हैं÷, इसलिए अपने-अपने जिलों में सभी अभियानों का प्रभावी नेतृत्व करते हुए बेहतर परिणाम सुनिश्चित करें। उन्होंने सेवा संकल्प अभियान की सभी गतिविधियों की जानकारी गूगल शीट में व्यवस्थित रूप से दर्ज करने के निर्देश दिए, ताकि जिलेवार गतिविधियों और उपलब्धियों की प्रभावी मॉनिटरिंग हो सके।

मन में बरसों से बसी थी रामलला के दर्शन की आस, साय सरकार की योजना से पूरा हुआ डोमन-पार्वती का सपना

मन में बरसों से बसी थी रामलला के दर्शन की आस, साय सरकार की योजना से पूरा हुआ डोमन-पार्वती का सपना

कबीरधाम के दंपती ने विशेष ट्रेन से पहुंचकर किए रामलला और बाबा विश्वनाथ के दर्शन

संवाददाता ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन की श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना प्रदेश के श्रद्धालुओं के लिए आस्था के केंद्रों तक पहुंचने का सहज और सुविधाजनक माध्यम बन रही है। कबीरधाम जिले के ग्राम बबई निवासी श्री डोमन साहू और उनकी पत्नी श्रीमती पार्वती साहू के लिए यह यात्रा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि वर्षों से मन में संजोए एक सपने के साकार होने का अवसर बनी।

श्री डोमन साहू बताते हैं कि प्रभु श्री राम के दर्शन की इच्छा उनके मन में लंबे समय से थी। परिवार की आर्थिक एवं अन्य परिस्थितियों के कारण वे अयोध्या धाम जाकर रामलला के दर्शन नहीं कर पा रहे थे। ऐसे में छत्तीसगढ़ शासन की श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना उनके लिए आशा और अवसर लेकर आई। योजना के माध्यम से उन्हें अपनी पत्नी श्रीमती पार्वती साहू के साथ अयोध्या धाम जाने और प्रभु श्री रामलला के दर्शन करने का सौभाग्य मिला। साथ ही उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा विश्वनाथ के दर्शन भी किए।

श्री डोमन साहू ने कहा कि वर्षों से मन में रामलला के दर्शन की इच्छा थी। जब पत्नी के साथ अयोध्या धाम पहुंचकर प्रभु श्री रामलला के दर्शन किए तो मन भावुक हो गया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की इस योजना ने उनके जैसे सामान्य परिवारों के लिए तीर्थयात्रा को आसान बनाया है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज अयोध्या में भव्य श्री राम मंदिर में रामलला के दर्शन का अवसर मिलना उनके लिए अत्यंत भावुक और अविस्मरणीय अनुभव है।

22 जनवरी 2024 को अयोध्या में नवनिर्मित श्री राम जन्मभूमि मंदिर में श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का ऐतिहासिक आयोजन हुआ था। इस ऐतिहासिक अवसर के बाद अयोध्या धाम में रामलला के दर्शन के लिए देशभर से श्रद्धालुओं का निरंतर आगमन हो रहा है। इसी आस्था को छत्तीसगढ़ शासन की श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना श्रद्धालुओं के लिए यात्रा की सुविधाओं से जोड़ रही है।

श्रद्धालुओं को कवर्धा से दुर्ग रेलवे स्टेशन तक निःशुल्क बस सुविधा उपलब्ध कराई गई। इसके बाद विशेष ट्रेन से उन्हें काशी एवं अयोध्या धाम ले जाया गया। पूरी यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए भोजन, नाश्ता और चाय की व्यवस्था के साथ स्वास्थ्य सुविधा के लिए चिकित्सकीय दल की व्यवस्था भी की गई।

श्रद्धालुओं ने काशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने के साथ अयोध्या धाम पहुंचकर श्री रामलला के दर्शन किए। लंबे समय से तीर्थयात्रा की इच्छा संतोष का अनुभव लेकर आई।

जिस पानी के लिए मीलों चलती थीं महिलाएं, अब साय सरकार में वही जल पहुंच रहा घर की चौखट तक

जिस पानी के लिए मीलों चलती थीं महिलाएं, अब साय सरकार में वही जल पहुंच रहा घर की चौखट तक

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'हर घर जल' के संकल्प को साय सरकार ने गांव-गांव पहुंचाया, ग्राम पंडरी में जल जीवन मिशन से बदली जिंदगी की तस्वीर

संवाददाता ➤ रायपुर

कभी पानी के लिए सुबह की पहली किरण के साथ ही घर से निकलना पड़ता था। सिर पर बर्तन रखकर दूर स्थित जलस्त्रोत तक जाना, घंटों इंतजार करना और फिर पानी लेकर वापस लौटना ग्राम पंडरी की महिलाओं की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा था। बच्चों के लिए भी पानी लाने में परिवार का हाथ बंटाना सामान्य बात थी। पानी की यह जद्दोजहद केवल समय ही नहीं लेती थी, बल्कि परिवार की दिनचर्या, बच्चों की पढ़ाई और महिलाओं के दूसरे जरूरी कामों को भी प्रभावित करती थी।

आज उसी ग्राम पंडरी की तस्वीर बदल गई है। घर के आंगन में लगा नल अब सिर्फ पानी आने का साधन नहीं, बल्कि बदलती ग्रामीण जिंदगी का प्रतीक बन गया है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत घर-घर नल कनेक्शन पहुंचने से ग्रामीण परिवारों को उनके घर पर ही स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो रहा है। पानी के लिए दूर जाने की मजबूरी कम हुई है और वर्षों से चली आ रही कठिनाई ने सुविधा का रूप ले लिया है। आदिवासी बाहुल्य जिला गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के मरवाही विकासखंड का ग्राम पंडरी आज इस बदलाव की जीवंत कहानी प्रस्तुत कर रहा है। गांव की श्रीमती

शीला केवट सहित अनेक महिलाओं के लिए नल से आने वाला पानी रोजमर्रा की जिंदगी में आई ऐसी सुविधा है, जिसका महत्व वही समझ सकता है जिसने कभी पानी के लिए लंबी दूरी तय की हो।

श्रीमती शीला केवट बताती हैं कि पहले पानी भरने के लिए घर के जरूरी काम छोड़कर दूर जाना पड़ता था। कई बार पानी लाने में सुबह का काफी समय निकल जाता था। अब घर में ही नल से पानी मिलने के कारण बहुत सुविधा हो गई है। समय बचता है और उस समय का उपयोग बच्चों, परिवार और दूसरे कामों में किया जा सकता है। उनके लिए नल से आने वाली पानी की हर धार घर की सुविधा के साथ परिवार के बेहतर भविष्य की उम्मीद भी नरेन्द्र मोदी के उस विजन से भी जुड़ती है।

प्रदेशभर के आंगनबाड़ी केंद्रों में माताओं से संवाद, पोषण जागरूकता और जनभागीदारी पर रहेगा जोर

सेवा संकल्प अभियान में 25 सितंबर से आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम

संवाददाता ➤ रायपुर

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रदेशभर के आंगनबाड़ी केंद्रों में 25 सितंबर से 6 अक्टूबर तक 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के समन्वय से आयोजित इस पहल का उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों से जुड़ी माताओं, बच्चों, महिलाओं और समुदाय को पोषण, स्वास्थ्य एवं महिला कल्याण योजनाओं की जानकारी से जोड़ना तथा जनभागीदारी को मजबूत करना है।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आंगनबाड़ी केंद्रों में सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक एक दिवसीय आयोजन होगा। इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा। कार्यक्रम में हितग्राही माताओं, स्वसहायता समूह की महिलाओं, बच्चों के अभिभावकों, मितानिनों तथा समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और मितानिनों के योगदान को सम्मानित भी किया जाएगा।

मेरी पौष्टिक थाली' से लेकर 'पोषण शक्ति सम्मान' तक होंगे आयोजन

आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में समुदाय के समक्ष 'मेरी पौष्टिक थाली' का प्रदर्शन कर संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व की जानकारी दी जाएगी। महिलाओं और बच्चों के लिए पौष्टिक व्यंजनों की विधि का प्रदर्शन, स्वास्थ्य एवं पोषण आधारित चित्रकला तथा स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता, माताओं एवं सुपोषित बच्चों का सम्मान और बच्चों के लिए खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। आंगनबाड़ी केंद्रों में सामुदायिक सहभागिता से 'न्योता भोज' भी कराया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान पोषण वाटिका के लिए पौधरोपण करते हुए 'घर-घर मुनगा, हर घर मुनगा' के लिए लोगों को प्रेरित किया जाएगा। समुदाय से आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के लिए खिलौने एवं खेल सामग्री उपलब्ध कराने की अपील भी की जाएगी।

महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष फोकस

स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से गर्भवती माताओं, महिलाओं और बच्चों की स्वास्थ्य जांच एवं टीकाकरण कराया जाएगा। महिलाओं के लिए रंगोली, मेहंदी और व्यंजन प्रतियोगिताएं भी आयोजित होंगी। महतारी वंदन योजना और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित विभिन्न योजनाओं के हितग्राही अपने अनुभव साझा करेंगे तथा पात्र हितग्राहियों का पंजीयन भी किया जाएगा। महतारी वंदन योजना की राशि का उपयोग स्वयं एवं बच्चों के पोषण पर करने वाली माताओं को 'पोषण शक्ति सम्मान' प्रदान किया जाएगा। इससे योजना के लाभ को पोषण और परिवार के स्वास्थ्य से जोड़ने के साथ अन्य परिवारों को भी प्रेरित किया जाएगा।

जिलेवार तिथियों में होंगे आयोजन

25 सितंबर को रायपुर शहरी क्षेत्र, बस्तर, सरगुजा और बिलासपुर; 26 सितंबर को रायपुर ग्रामीण, कोरबा, कवर्धा और सूरजपुर; 28 सितंबर को महासमुंद, दंतेवाड़ा, राजनांदगांव और गरियाबंद; 29 सितंबर को धमतरी, दुर्ग, बलौदाबाजार और मुंगेली; 30 सितंबर को भिलाई क्षेत्र, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, बीजापुर और जांजगीर; 1 अक्टूबर को बेमेतरा, कांकेर, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई और सुकमा; 2 अक्टूबर को जशपुर, कोंडागांव और मानपुर-मोहला; 3 अक्टूबर को बालोद, नारायणपुर और गौरेला-पेंड्रा-मरवाही; 5 अक्टूबर को सक्ती, रायगढ़ और सारंगढ़-बिलाईगढ़ तथा 6 अक्टूबर को बलरामपुर, बिलासपुर ग्रामीण और कोरिया जिले में कार्यक्रम आयोजित होंगे।

सरकारी विभाग के ड्राइवर की संदिग्ध मौत, ओड़गी थाना क्षेत्र की घटना, पीएम रिपोर्ट का इंतजार

संवाददाता ➤ रायपुर

सूरजपुर में सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग के ड्राइवर लखनराम की संदेहास्पद मौत का मामला सामने आया है. बताया जा रहा है ड्राइवर अपने रिश्तेदार के साथ झाड़फूंक करवाने के लिए परसिया गांव आया था.जहां उसकी मौत हो गई.

क्या है पुलिस का कहना ?

पुलिस के मुताबिक लखनराम अपने साले के साथ देसी इलाज के लिए ओड़गी थाना क्षेत्र के परसिया गांव आया था. लेकिन वापसी के दौरान उसने अत्यधिक शराब का सेवन कर लिया. ज्यादा शराब पीने के कारण वो चल नहीं पा रहा था. इसके बाद लखनराम के रिश्तेदार ने एक ग्रामीण की मदद से उसे नाला पार करवाया और एक पहचान वाले के घर पर सुला दिया.

अगले दिन लखनराम का साला किशन जब उसे लेने के लिए पहचान वाले के घर पहुंचा तो वो घर पर नहीं था.जब लखनराम की खोजबीन की गई तो वो घर से 200 मीटर दूर एक गडढे में अचेत अवस्था में पड़ा था. जहां उसकी जांच करने पर सांसें नहीं चल रही थी. जिसकी सूचना पुलिस को दी गई और मर्ग कायम किया गया- योगेश कुमार देवांगन,एएसपी

सड़क नहीं होने के कारण शव लाने में हुई परेशानी

एक तरफ सरकारी विभाग के ड्राइवर की संदेहास्पद मौत हुई,तो दूसरी तरफ परसिया गांव से जिला अस्पताल तक उसके शव को लाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी. आपको बता दें कि जिस गांव में ड्राइवर की डेडबॉडी मिली वहां पर पक्की सड़क नहीं है।

शियन गेम्स में भारत को अब तक 6 मेडल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत ने जापान के नगोया में चल रहे एशियन गेम्स में अब तक 6 मेडल जीते हैं। इनमें से 5 मेडल शूटर्स ने दिलाए। एक मिक्स्ड मार्शल आर्टस में आया। वहीं, टेबल टेनिस में भारत की दोनों टीमों ने पाकिस्तान पर जीत दर्ज की। इन मैचों में पाकिस्तानी एक भी गेम नहीं जीत सके।सोमवार को भारतीय निशानेबाजों ने 3 मेडल जीते। मेंस 10 मीटर राइफल इवेंट में हिमांशु ढिल्लों (252.4 अंक) को सिल्वर और रुद्रांश पाटिल (230.9 अंक) को ब्रॉन्ज मिला। चीन के शेंग लिहाओ (254.2 अंक) ने गोल्ड जीता।इसी कैटेगरी के टीम इवेंट में भारत ने सिल्वर जीता। पार्थ माने, रुद्रांक्ष पाटिल और हिमांशु ढिल्लों वाली टीम 1890.1 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही। चीन (1899.9 अंक) पहले और कोरिया (1884.2 अंक) तीसरे स्थान पर रहे।भारत एशियन गेम्स की मेडल टैली में 10वें स्थान पर है। उसके खाते में अब 4 सिल्वर समेत 6 मेडल हैं। चीन 18 गोल्ड समेत 32 मेडल लेकर पहले स्थान पर है। जापान 8 गोल्ड समेत 28 मेडल के साथ दूसरे और साउथ कोरिया 5 गोल्ड समेत 21 मेडल के सहारे तीसरे स्थान पर है।

रुद्रांश बालासाहेब पाटिल का जन्म 16 दिसंबर 2003 को ठाणे, महाराष्ट्र में हुआ। वे 10 मीटर एयर राइफल के शूटर हैं। उन्होंने 2022 में काहिरा वर्ल्ड चैंपियनशिप में इंडिविजुअल और टीम इवेंट का गोल्ड जीता। इंडिविजुअल वर्ल्ड टाइटल जीतने वाले वे अभिनव बिंद्रा के बाद दूसरे भारतीय बने। 2022 में वे 10 मीटर एयर राइफल में वर्ल्ड नंबर-1 भी रहे।

पार्थ राकेश माने- जूनियर वर्ल्ड चैंपियन

पार्थ राकेश माने का जन्म 13 नवंबर 2007 को हुआ। वे 10 मीटर एयर राइफल शूटर हैं। उन्होंने 2024 में पेरू के लीमा में ढ्स्स्न्न जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड जीतकर जूनियर वर्ल्ड टाइटल हासिल किया। इसी साल उन्होंने जूनियर वर्ल्ड कप में सिल्वर और एशियन चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज भी जीता।

भारत ने पाकिस्तान को धोया, कबड्डी-हॉकी में भी छाए भारतीय खिलाड़ी

एशियन गेम्स 2026 के पहले दिन भारत ने दो सिल्वर मेडल जीते थे। सोनम मस्कर, इलावेलिन वलारिवन और विदर्सा विनोद की तिकड़ी ने विमेंस 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में भारत को रजत पदक दिलाया। फिर इलावेलिन वलारिवन ने विमेंस 10 मीटर एयर राइफल इंडिविजुअल इवेंट में भी सिल्वर पर निशाना साधा।

चयनकर्ताओं से पूछा- कुणाल, पाटीदार और भुवी का क्या कसूर

एजेंसी ■ नई दिल्ली

एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम में अचानक हुए एक बदलाव को लेकर चर्चाएं तेज है। भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के चोटिल होने के बाद चयनकर्ताओं ने दिल्ली कैपिटल्स के ऑलराउंडर विप्रज निगम को टीम में शामिल किया है। इस फैसले पर पूर्व भारतीय कप्तान और 1983 वर्ल्ड कप विजेता कृष्णमाचारी श्रीकांत बुरी तरह भड़क गए हैं। उन्होंने अजीत आगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति पर सवाल उठाते हुए साफ कहा कि घरेलू और आईपीएल में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले सीनियर खिलाड़ियों की अनदेखी की जा रही है। श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर चयनकर्ताओं की नीयत और सोच पर कड़े सवाल दागे। उन्होंने खास तौर पर कुणाल पंड्या, रजत पाटीदार और भुवनेश्वर कुमार का जिक्र करते हुए पूछा कि इन तीनों खिलाड़ियों ने अपनी जिंदगी में ऐसा क्या गलत कर दिया है जो इन्हें लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है? कुछ चयन समझ से बिल्कुल परे हैं।

रोहित शर्मा पहुंचे लालबागचा राजा मंदिर

पत्नी रितिका के साथ गणपति बप्पा का आशीर्वाद लिया; वेस्टइंडीज से सीरीज में खेलते नजर आएंगे

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा रविवार को मुंबई में लालबागचा राजा गणपति पंडाल पहुंचे। उन्होंने पत्नी रितिका सजदेह के साथ गणपति बप्पा के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। रोहित गणेशोत्सव के दौरान पूजा-अर्चना करने पहुंचे थे।रोहित को इसी महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। सीरीज का पहला मैच 27 सितंबर को खेला जाएगा।

2 महीने बाद फिर मैदान पर दिखेंगे रोहित

रोहित शर्मा ने अपना पिछला मैच जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में खेला था। सीरीज के तीसरे वनडे में उन्होंने लॉर्ड्स पर 110 गेंदों में 138 रन की पारी खेली थी।रोहित की जगह को लेकर इंग्लैंड दौरे के दौरान चर्चा जरूर हुई थी, लेकिन चयनकर्ताओं ने वेस्टइंडीज सीरीज के लिए उन्हें टीम में बनाए रखा है।

रोहित के शो का पहला एपिसोड रिलीज

रोहित ने शनिवार को टीवी की दुनिया में कदम रखा। उनके मोस्ट अवेटेड टेलीविन शो फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा का पहला एपिसोड सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर रिलीज हुआ। यह पारिवारिक शो एक एंटरटेनमेंट प्रोग्राम के होस्ट के तौर पर रोहित शर्मा का पहला बड़ा शो था।

रोहित के शो में श्रेयस और शार्दूल भी दिखे

शो के पहले एपिसोड में क्रिकेट और एंटरटेनमेंट जगत के कई जाने-माने चेहरे नजर आए। इनमें श्रेयस अय्यर, शार्दुल ठाकुर, अभिषेक नायर और एक्टर कुणाल खेमू शामिल थे।रोहित शर्मा के साथ उनकी बातचीत इस एपिसोड का सबसे खास पल रहा है, जिसमें क्रिकेट से जुड़े किस्से, हंसी-मजाक और परिवार के साथ देखने लायक मनोरंजन देखने को मिला।

एशियन गेम्स को एशिया का ओलिंपिक कहा जाता है। इसमें 45 देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं।

व्यापार

टॉप-10 में 4 कंपनियों का मार्केट-कैप 87,960 करोड़ घटा

एयरटेल टॉप लूजर, वैल्यू 28,052 करोड़ घटी; LIC की वैल्यू बढ़ी

एजेंसी ➤ मुंबई

बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में गिरावट रही। इस बीच देश की 10 सबसे वैल्यूएबल कंपनियों में से 4 का मार्केट कैप कुल मिलाकर 87,960 करोड़ घटा है।

इस दौरान टेलीकॉम सेक्टर की प्रमुख कंपनी भारती एयरटेल की मार्केट वैल्यूएशन में सबसे बड़ी 28,052.96 करोड़ की गिरावट देखने को मिली। इसकी वैल्यूएशन घटकर 12.15 लाख करोड़ रह गई है।

एयरटेल के अलावा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप भी घटा है। वहीं 6 कंपनियों- स्ढ्ष्ट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फाइनेंस,बैंक और बैंक की मार्केट वैल्यू बढ़ी है।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स 468.42 अंक

(0.60त्न) और हस्श्व निफ्टी 114 अंक (0.46त्न) नीचे गिरकर बंद हुआ।

मार्केट कैपिटलाइजेशन क्या होता है?

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, उनकी वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की कुल संख्या को उनकी कीमत से गुणा करके किया जाता है।

इसे एक उदाहरण से समझें...

मान लीजिए... कंपनी के 1 करोड़ शेयर मार्केट में लोगों ने खरीद रखे हैं। अगर एक शेयर की कीमत 20 रुपए है, तो कंपनी की मार्केट वैल्यू 1 करोड़ × 20 यानी 20 करोड़ रुपए होगी।

कंपनियों की मार्केट वैल्यू शेयर की कीमतों के बढ़ने या घटने के चलते बढ़ता-घटता है।

मार्केट कैप के उतार-चढ़ाव का कंपनी और निवेशकों पर क्या प्रभाव पड़ता है?

कंपनी पर असर ऱ बड़ा मार्केट कैप कंपनी को मार्केट से फंड जुटाने, लोन लेने या अन्य कंपनी एक्वायर करने में मदद करता है। वहीं, छोटे या कम मार्केट कैप से कंपनी की फाइनेंशियल डिसीजन लेने की क्षमता कम हो जाती है।

निवेशकों पर असर ऱ मार्केट कैप बढ़ने से निवेशकों को डायरेक्ट फायदा होता है। क्योंकि उनके शेयरों की कीमत बढ़ जाती है। वही, गिरावट से नुकसान हो सकता है,

क्या ट्रम्प अपने फैसलों से शेयर-बाजार में करोड़ों कमा रहे

जून में किए 1 हजार से ज्यादा स्टॉक ट्रेड्स; व्हाइट हाउस बोला- कंप्यूटर संभाल रहा पोर्टफोलियो

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

राष्ट्रपति के एक बयान या फैसले से शेयर बाजार तुरंत ऊपर-नीचे हो जाता है, ऐसे में उनके खातों से करोड़ों की ट्रेडिंग सामने आने के बाद यह सवाल गहरा गया है कि क्या ट्रम्प अपने राष्ट्रपति पद और फैसलों का फायदा शेयर बाजार से पैसा कमाने के लिए उठा रहे हैं?

ट्रम्प के पोर्टफोलियो से जुड़ी इस बड़ी खबर के हर पहलू को 9 आसान सवाल-जवाब में जानें

सवाल 1. रिपोर्ट में ट्रम्प के ट्रेड्स को लेकर मुख्य रूप से क्या जानकारी सामने आई है?

जवाबऱ शनिवार 22 अगस्त को जारी रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रम्प ने जून 2026 में

1,000 से ज्यादा सिक्योरिटीज ट्रेड्स किए हैं। इन सभी ट्रांजैक्शन की कुल वैल्यू 78.1 मिलियन डॉलर से 263.1 मिलियन डॉलर यानी करीब 7000 करोड़ से 2,500 करोड़ के बीच रही है। जवाबऱ अमेरिकी नियमों के तहत राष्ट्रपति और शीर्ष अधिकारियों को अपने वित्तीय सौदों की सटीक रकम बताने की जरूरत नहीं होती। नियम के मुताबिक ट्रांजैक्शन के लिए एक दायरा तय किया जाता है। इसलिए रिपोर्ट में न्यूनतम और अधिकतम रेंज दी गई है।

जवाबऱ जून में सबसे बड़ी डील 22 जून को हुई। इस दिन ट्रम्प ने वैनगार्ड ग्रुप के एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड के 5 मिलियन डॉलर से 25 मिलियन डॉलर यानी करीब ?48 करोड़ से ?240 करोड़ के शेयर्स बेचे।

बर्कशायर है वेऱ 18 जून को .1 मिलियन से .5 मिलियन यानी 10 से 48 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे और 24 जून को कुछ हिस्सा बेचा।

मेटाऱ 18 जून को .1 मिलियन से .5 मिलियन यानी करीब 10 से 48 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, फिर महीने के अंत में छोटे अमाउंट में शेयर्स खरीदे। प्लांटिरऱ 3 जून को .1,001 से .15,000 के शेयर खरीदे। 16 और 18 जून को शेयर बेचे, फिर 23 और 24 जून को दोबारा खरीदारी की। अन्य कंपनियांऱ वीजा, मास्टरकार्ड, सिंटास, कॉइनबेस और होम डिपो।

सवाल 5. क्या इन ट्रेड्स का अमेरिका की जियोपॉलिटिकल घटनाओं से कोई कनेक्शन दिखा?

पीएम को स्पेस स्टार्टअप्स के फाउंडर्स ने बताए प्लान, स्काईरूट हर महीने रॉकेट लॉन्च करेगी

स्पेस में सैटेलाइट री-फ्यूलिंग, दवाइयां बनाने की तैयारी

एजेंसी ➤ मुंबई

अंतरिक्ष में सैटेलाइट रीफ्यूलिंग, कचरा हटाने वाले रोबोट और हवा में तैरती दवाइयां। भारत का स्पेस सेक्टर अब फिल्मों में दिखने वाली टेक्नोलॉजी सच करने पर काम कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के 20 स्पेस स्टार्टअप्स फाउंडर्स से खास बातचीत की।

पीएम ने भरोसा दिलाया कि सरकार उद्यमियों का हाथ कभी नहीं छोड़ेगी। रिस्क लेने वालों को पूरा सपोर्ट मिलेगा। ये बातचीत 21 अगस्त को की गई थी, लेकिन वीडियो आज 23 अगस्त को रिलीज किया गया है। पढ़िए इस बातचीत की खास बातेंज

देश के 20 स्पेस स्टार्टअप्स के फाउंडर्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने प्लान्स बताए। मुलाकात के दौरान पीएम ने स्टार्टअप्स के प्रोजेक्ट्स के बारे में जानकारी ली।

स्काईरूट का हर महीने रॉकेट लॉन्च करने का लक्ष्य

स्काईरूट ने पीएम मोदी को बताया कि 18 जुलाई को भारत के पहले प्राइवेट रॉकेट से सैटेलाइट्स को कामयाबी के साथ ऑर्बिट में स्थापित किया था। कंपनी ने अब तक 3 फैक्ट्रियां तैयार कर ली हैं, जिनमें हर महीने एक रॉकेट बनाने की क्षमता है।

कंपनी की योजना हर महीने एक रॉकेट लॉन्च करने की है। इसके बाद का लक्ष्य हर हफ्ते एक और भविष्य में हर दिन कई रॉकेट लॉन्च करने का है।

हैदराबाद की स्काईरूट एयरोस्पेस ने शनिवार 18 जुलाई को भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 लॉन्च किया था। इस कामयाब लॉन्च के बाद पीएम मोदी ने स्टार्टअप फाउंडर से फोन पर बात की थी।

फ्यूल स्टेशन, सफाई रोबोट और दवा बनाने वाली सैटेलाइट्स

स्पेस पेट्रोल पंपऱ एक कंपनी डॉकिंग और रीफ्यूलिंग तकनीक विकसित कर रही है, जो अंतरिक्ष में ही सैटेलाइट्स में ईंधन भरने का काम करेगी।कचरा हटानाऱ एक रोबोटिक स्पेसक्राफ्ट पर काम चल रहा है, जो स्पेस में तैरते बेकार और डेड सैटेलाइट्स को पकड़कर ऑर्बिट से बाहर निकालेगा।

स्पेस पेट्रोल पंप और स्पेस फार्मा को जानें

जैसे सड़क पर गाड़ी का पेट्रोल खत्म होने पर हम पंप पर जाते हैं, वैसे ही अंतरिक्ष में सैटेलाइट्स का ईंधन खत्म हो जाता है। एक भारतीय कंपनी ऐसी तकनीक बना रही है, जो हवा में ही उड़ती हुई सैटेलाइट्स से जुड़कर उनमें दोबारा पेट्रोल-डीजल की तरह ईंधन भर देगी।

वहीं जब धरती पर कोई दवा बनाई जाती है, तो गुरुत्वाकर्षण के खिंचाव के कारण उसके केमिकल्स और प्रोटीन ठीक से मिक्स नहीं हो पाते या नीचे बैठने लगते हैं।

सरकार बोली- चीनी जमाखोरी से महंगी हुई, इथेनॉल कारण नहीं

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

सरकार ने उन दावों को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि चीनी से एथेनॉल बनाने की वजह से बाजार में इसके दाम बढ़े हैं।खाद्य और उपभोक्ता मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि कम उत्पादन, त्योहारी सीजन की मांग और जमाखोरी की वजह से कीमतें बढ़ी हैं।चीनी के बढ़ते दाम को रोकने के लिए स्टॉक लिमिट और ड्यूटी फ्री इंपोर्ट जैसे कदम उठाए गए हैं।

एथेनॉल के लिए चीनी का इस्तेमाल घटा

मंत्रालय ने कहा कि चीनी की बढ़ती कीमतों को एथेनॉल बनाने में इसके इस्तेमाल से जोड़ना पूरी तरह गलत है।पेट्रोल में मिलाने के लिए चीनी से एथेनॉल बनाने का हिस्सा 2022-23 सीजन के 12त्न से घटकर 2025-26 सीजन में करीब 9त्न रह गया है।मौजूदा समय में देश के कुल एथेनॉल उत्पादन का लगभग 75त्न हिस्सा अनाज, खासकर मक्के से आ रहा है।

मिलों और किसानों को कैसे हुआ फायदा?

भारत में हर साल करीब 32-34 मिलियन टन चीनी बनती है और इसकी खबत 28-29

मिलियन टन है। पहले यह एक्स्ट्रा चीनी मिलों में फंसी रहती थी, जिससे उनके पैसे ब्लॉक हो जाते थे और वे गन्ना किसानों का भुगतान नहीं कर पाते थे।अब सरकार इस एक्स्ट्रा चीनी और गन्ने का इस्तेमाल पेट्रोल में मिलाने वाले इथेनॉल को बनाने में कर रही है। इससे मिलों के पास पैसा आया और किसानों को समय पर भुगतान मिलने लगा। 20 अगस्त 2026 तक इस सीजन का 97त्न बकाया किसानों को चुकाया जा चुका है।सरकार की बची भारी सब्सिडी

मिलों की कमाई बढ़ने से अब उन्हें सरकार से मदद की जरूरत नहीं पड़ती। यही वजह है कि सरकार ने 2014 से 2021 के बीच मिलों को 14,600 करोड़ रुपए की सब्सिडी दी थी, लेकिन साल 2021-22 के बाद से सरकार को 1 रुपए की भी नई सब्सिडी देने की जरूरत नहीं पड़ी है।

सम्पादकीय

आत्मनिर्भर भारतः

तेजस, एचटीटी-40 और ध्रुव-हल्र एयरक्राफ्ट के नए बैच की डिलीवरी यह बताती है कि भारत की एयरोस्पेस आत्मनिर्भरता अब एक ऐसे दौर में पहुंच रही है जहां ध्यान सिर्फ प्लेटफॉर्म बनाने से हटकर उनके पीछे के बड़े प्रौद्योगिकी तंत्र को विकसित करने पर ज्यादा दिया जा रहा है।हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा 18 सितंबर को भारतीय वायु सेना और पवन हंस लिमिटेड को ये एयरक्राफ्ट सौंपे गए। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब नई दिल्ली आयातित एयरोस्पेस सिस्टम पर निर्भरता कम करने और पूरी वैल्यू चेन में घरेलू विशेषज्ञता विकसित करने की कोशिश कर रही है।रक्षा मंत्रालय द्वारा शुक्रवार देर शाम जारी एक बयान के अनुसार, बेंगलुरु में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और नागरिक उड्डयन मंत्री के। राममोहन नायडू की मौजूदगी में दो लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस स्त्रह्रष्ट (फाइनल ऑपरेशनल क्लीयरेंस) ट्विन-सीटर ट्रेनर और तीन बेसिक ट्रेनर, तथा क्कारुको चार ध्रुव नेक्स्ट जेनरेशनहेलीकॉप्टर सौंपे।अपने संबोधन में, रक्षा मंत्री ने इस हस्तांतरण को देश की स्वदेशी एयरोस्पेस क्षमता, तकनीकी आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा, ॥हमारा लक्ष्य भारत को अपनी एयरोस्पेस जरूरतों को पूरा करने में सक्षम, आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है।॥ राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर व्यवस्थित रूप से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के आत्मनिर्भरता के मूल मंत्र के साथ काम शुरू करने के बाद से ही देश में अत्याधुनिक उपकरण स्वदेशी रूप से बनाए जा रहे हैं।उन्होंने रक्षा मंत्रालय द्वारा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदमों का ज़िक्र करते हुए कहा, हमने न केवल रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को रक्षा क्षेत्र में आगे बढ़ने का मौका दिया है, बल्कि निजी उद्योग को भी प्रोत्साहित किया है ताकि सभी को समान अवसर मिलें।

विचार

छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा की नई भोरः हुनर, शोध और स्वावलंबन से गढ़ा जा रहा युवाओं का भविष्य

विष्णु प्रसाद वर्मा
सहायक संचालक

छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा अब केवल किताबों और कक्षाओं के पारंपरिक दायरे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राज्य के लाखों युवाओं के सपनों को नई उड़ान दे रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 020 की मूल भावना को धरातल पर उतारते हुए राज्य सरकार युवाओं को केवल डिग्री देने के बजाय उन्हें आत्मनिर्भर, हुनरमंद और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने का अभूतपूर्व कार्य कर रही है।

राज्य सरकार ने सेवा का संकल्प निभाते हुए शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा मिशन की शुरुआत की है। इस मिशन के तहत महाविद्यालयों के ढांचागत और शैक्षणिक उन्नयन के लिए विशेष बजटीय संबल दिया जा रहा है। पारदर्शी और सख्त मॉनिटरिंग तंत्र यह सुनिश्चित

कर रहा है कि सरकारी सहायता का सीधा लाभ विद्यार्थियों तक पहुंचे।

?शैक्षणिक गुणवत्ता को शीर्ष पर ले जाने के लिए 3,000 से अधिक छात्र संख्या वाले उत्कृष्ट कॉलेजों को चिन्हित कर 36 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके साथ ही, अध्यापन व्यवस्था को मजबूती देने के लिए प्राध्यापकों की सीधी भर्ती प्रक्रिया तेज कर दी गई है और उद्योग जगत के व्यावहारिक विशेषज्ञों को प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के रूप में परिसरों से जोड़ा जा रहा है।

सेवा आपके द्वार की भावना को चरितार्थ करते हुए राज्य के अंतिम छोर पर स्थित आदिवासी और दूरस्थ वनांचल अंचलों में नए महाविद्यालय खोले जा रहे हैं। अब बस्तर और सरगुजा जैसे दूरदराज क्षेत्रों के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए बड़े शहरों की ओर रुख नहीं करना पड़ रहा है, बल्कि आधुनिक और रोजगारपरक शिक्षा उनके अपने अंचल में ही उपलब्ध हो रही है। चार वर्षीय बी.एड. और बी.पी.एड. जैसे एकीकृत व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर ही रोजगार के नए अवसर तैयार किए जा रहे हैं।

यह बदलाव केवल व्यवस्थागत नहीं, बल्कि हर उस युवा की कहानी बदलाव की है जो कल तक केवल पारंपरिक विषयों तक सीमित था। स्वावित्तीय पाठ्यक्रम नीति के तहत अब स्थानीय और वैश्विक मांग के अनुसार युवाओं को तैयार किया जा रहा है। भविष्य में उपयोगी विभिन्न तकनीकों और कौशल को ध्यान में रखते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस साइबर सिक्योरिटी, वेब डिजाइनिंग जैसे विषयों को प्रमुखता से उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी तरह ?स्थानीय व कृषि-आधारित उद्योग के तहत रेशम कीट पालन, टसर टेक्नोलॉजी, फिशरीज, फूड प्रोसेसिंग, मशरूम कल्टीवेशन, फ्लोरीकल्चर और हर्बल कल्टीवेशन की शिक्षा युवाओ को आर्थिक रूप से मजबूत करेंगे।

इन व्यावहारिक विषयों के लिए राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित संस्थानों और उद्योग जगत के साथ स्रूष्ठ किए गए हैं, जिससे युवाओं को सीधी इंटर्नशिप, व्यावहारिक अनुभव और कैंपस प्लेसमेंट की सुविधा मिल रही है।

रिसर्च, कौशल विकास, उद्योग समन्वय और वनांचल तक शिक्षा के विस्तार के इस संगम से छत्तीसगढ़ तेजी से देश के अग्रणी %एजुकेशन हब के रूप में स्थापित हो रहा है।

विचार

30 नवंबर को तय होगा भविष्य, वैज्ञानिक सोच और जन-भागीदारी क्यों है जरूरी

योगेंद्र योगी
लेखक

पर्यावरण समूहों और जानकारों ने इस परिभाषा की कड़ी आलोचना की है। भारतीय वन सर्वेक्षणके आंकड़ों से पता चला है कि अगर 100 मीटर की यह शर्त लागू की गई, तो बहुत सी छोटी पहाड़ियां इस परिभाषा से बाहर हो जाएंगी।एक आंतरिक मूल्यांकन के अनुसार, राजस्थान में 20 मीटर या उससे ऊंची 12,081 अरावली पहाड़ियों में से केवल 1,048 पहाड़ियां (यानी सिर्फ 8।7त्न) ही इस 100 मीटर की शर्त को पूरा करती हैं। वहीं, अगर अरावली की सभी 1,18,575 पहाड़ियों को देखा जाए।

अरावली पर्वत शृंखला जो दुनिया की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है, इस समय एक बड़ी कानूनी और पर्यावरण बहस का केंद्र बन गई है। यह बहस सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के बाद शुरू हुई है, जिसमें कोर्ट ने अपने ही 20 नवंबर 2025 के आदेश पर रोक लगा दी है।उस पुराने आदेश में सरकार द्वारा दी गई अरावली की एक परिभाषा को स्वीकार किया गया था, जिसके तहत केवल उन्हीं पहाड़ियों को अरावली माना गया था जो आस-पास की जमीन से 100 मीटर या उससे अधिक ऊंची हों, और जिनके बीच की दूरी 500 मीटर के भीतर हो।

पर्यावरण समूहों और जानकारों ने इस परिभाषा की कड़ी आलोचना की है। भारतीय वन सर्वेक्षणके आंकड़ों से पता चला है कि अगर 100 मीटर की यह शर्त लागू की गई, तो बहुत सी छोटी पहाड़ियां इस परिभाषा से बाहर हो जाएंगी।एक आंतरिक मूल्यांकन के अनुसार, राजस्थान में 20 मीटर या उससे ऊंची 12,081 अरावली पहाड़ियों में से केवल 1,048 पहाड़ियां (यानी सिर्फ 8।7त्न) ही इस 100 मीटर की शर्त को पूरा करती हैं। वहीं, अगर अरावली की सभी 1,18,575 पहाड़ियों को देखा जाए, तो 90त्न से अधिक पहाड़ियां इस परिभाषा में फिट नहीं बैठती हैं।इस वजह से राजस्थान और हरियाणा में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। लोगों को डर है कि इस परिभाषा के कारण पर्यावरण को भारी नुकसान होगा और अवैध खनन बढ़ेगा। आलोचकों का कहना है कि इस परिभाषा से अरावली के एक बहुत बड़े हिस्से में चूना पत्थर (लाइमस्टोन) के खनन और पत्थर तोड़ने वाले क्रशरों का रास्ता साफ हो जाएगा, जिससे स्थानीय ग्रामीणों को स्वास्थ्य से जुड़ी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़

सकता है।29 दिसंबर 2025 को, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुवाई वाली एक वेकेशन बेंच ने 20 नवंबर के आदेश पर रोक लगा दी। कोर्ट ने कहा कि पर्यावरणविदों के बीच 100-मीटर के नियम के ÷गलत अर्थ निकालने और इसके गलत इस्तेमाल की आशंकाओं को लेकर गहरी चिंताहै।कोर्ट ने इस मामले में खुद संज्ञान लिया और इस परिभाषा से पर्यावरण पर पड़ने वाले असर की दोबारा जांच करने के लिए एक हाई-पावर्ड, स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति बनाने का आदेश दिया। कोर्ट ने विशेष रूप से कई गंभीर कमियों÷ की तरफ इशारा किया।क्या इस परिभाषा से अरावली के कई क्षेत्र ÷गैर-अरावली÷ बन जाएंगे, जिससे वहां खनन और व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा?

क्या यह दावा वैज्ञानिक रूप से सही है कि केवल 1,048 पहाड़ियां ही अरावली की परिभाषा में आती हैं?

जब तक यह नई जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक पूरे अरावली क्षेत्र में कोई नया खनन पट्टा (माइनिंग लीज) या उसका रिन्यूअल नहीं किया जाएगा। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने नए खनन पट्टों पर पूरी तरह से रोक लगाने के निर्देश जारी किए हैं, और यह प्रतिबंध पूरी अरावली शृंखला पर समान रूप से लागू होता है।प्रो। अशोक के। भटनागर, दिल्ली विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के पूर्व प्रमुखबेंगलुरु के इंडियन इंस्टिट्यूट फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स के प्रोफेसर जगदीश कृष्णस्वामी और केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा के प्रो। लक्ष्मीकांत शर्मा को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। समिति को निर्देश दिया गया है कि वह केवल ऊंचाई की एक शर्त पर निर्भर रहने के बजाय भूवैज्ञानिक, जलवैज्ञानिक और पारिस्थितिक कारकों को शामिल करते हुए नए नियम तय करे।

(एक नजर)

परिवर्तिनी एकादशी व्रत कब है

हिंदू धर्म में एकादशी व्रत का विशेष महत्व है, और साल में आने वाली सभी 24 एकादशियों में भाद्रपद शुक्ल पक्ष की परिवर्तिनी एकादशी का अपना अलग धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व माना जाता है। इस बार परिवर्तिनी एकादशी की तिथि और व्रत के दिन को लेकर लोगों में असमंजस की स्थिति है कि व्रत कल रखा जाएगा या परसों। आइए जानते हैं इससे जुड़े सभी जरूरी शुभ मुहूर्त और सही तारीख। पंचांग के अनुसार, भाद्रपद शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 21 सितंबर 2026 की रात करीब 8 बजे शुरू होगी। यह तिथि 22 सितंबर की रात करीब 9 बजकर 43 मिनट तक रहेगी। व्रत की तारीख॰ चूंकि 22 सितंबर को सूर्योदय के समय एकादशी तिथि रहेगी, इसलिए उदया तिथि के आधार पर परिवर्तिनी एकादशी का मुख्य व्रत 22 सितंबर 2026, मंगलवार को रखा जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, चातुर्मास के दौरान भगवान विष्णु योग निद्रा में रहते हैं और इसी अवधि में आने वाली परिवर्तिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु अपने करवट बदलते

सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ की रूस यात्रा रक्षा साझेदारी को आधुनिक बनाने का प्रयास

भारत-रूस रक्षा संबंध एक ऐसे दौर में जा रहा है, जिसमें इसका भविष्य इस बात से कम तय होगा कि भारत मॉस्को से कितने सैन्य उपकरण खरीदता है, बल्कि इस बात से अधिक तय होगा कि दोनों पक्ष प्रौद्योगिकी सहयोग की गहराई, स्वदेशी उत्पादन, सैन्य प्रशिक्षण और संस्थागत आदान-प्रदान को कितना बनाए रख सकते हैं।

चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल धीरज सेठ की 16-18 सितंबर की रूस यात्रा इस बदलते परिवेश में हुई है। रूसी थल सेना, उप-रक्षा मंत्री जनरल यूनुस-बेक येवकरोव और मिखाइलोव्स्काया मिलिट्री आर्टिलरी एकेडमी के फैकल्टी के साथ उनकी बैठकों ने दीर्घकालिक रक्षा साझेदारी को अधिक परिचालन और संस्थागत गहराई देने के प्रयास को रेखांकित किया।

के एक्स हैंडल पर किए गए पोस्ट्स के अनुसार, जनरल सेठ ने रूसी थल सेना मुख्यालय का दौरा किया, जहां दोनों सेनाओं के बीच आपसी हित के मुद्दों पर बातचीत हुई, जो सैन्य सहयोग को गहरा करने, प्रशिक्षण जुड़ाव

का विस्तार करने और दोनों सेनाओं के बीच क्षमता विकास को मजबूत करने पर केंद्रित थी।

स की अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान, (जनरल सेठ) ने रूसी संघ के रक्षा मंत्रालय का दौरा किया और उप-रक्षा मंत्री जनरल यूनुस-बेक येवकुरोव से बातचीत की। यह बातचीत संयुक्त क्षमता विकास, पेशेवर सैन्य आदान-प्रदान और सैन्य-से-सैन्य संबंधों को मजबूत करने के रास्तों पर केंद्रित थी।÷

एक अन्य पोस्ट के अनुसार, जनरल सेठ ने सेंट पीटर्सबर्ग में मिखाइलोव्स्काया मिलिट्री आर्टिलरी एकेडमी का दौरा किया और उन्हें पीटर एंड पॉल फोर्ट्रेस में पारंपरिक तोप दागने का अनूठा सम्मान दिया गया। पोस्ट में लिखा है, ÷इस दौरे ने प्रशिक्षण पद्धतियों और तोपखाने के आधुनिकीकरण के संबंध में फैकल्टी के साथ विचार-विमर्श करने का अवसर प्रदान किया। इस जुड़ाव ने भारत और रूस के बीच संस्थागत आदान-प्रदान, सर्वोत्तम प्रथाओं के साझाकरण और पेशेवर सैन्य सहयोग को सुदृढ़ करने के महत्व को रेखांकित किया।÷

उनकी बातचीत के दौरान प्रमुखता से उठाए गए विषय - सैन्य सहयोग, प्रशिक्षण, क्षमता विकास, व्यावसायिक आदान-प्रदान, तोपखाने का आधुनिकीकरण और संस्थागत जुड़ाव - 21वीं सदी के युद्ध की आवश्यकताओं के लिए भारत-रूस रक्षा संबंधों को प्रासंगिक बनाए रखने के एक व्यापक प्रयास की ओर इशारा करते हैं।

यह दौरा इसलिए भी बैठक की थी। दोनों नेताओं ने यूक्रेन और पश्चिम एशिया में संघर्षों सहित लगातार भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच रक्षा सहयोग और द्विपक्षीय संबंधों के दूसरे क्षेत्रों की समीक्षा की।इस पृष्ठभूमि में, जनरल सेठ की यात्रा को व्यापक रणनीतिक जुड़ाव के एक महत्वपूर्ण आर्मी-टू-आर्मी घटक के रूप में देखा जा सकता है, जो उच्च-स्तरीय राजनीतिक समझ को व्यावहारिक सैन्य सहयोग में बदलने का अवसर प्रदान करती है।रक्षा पारंपरिक रूप से भारत-रूस रणनीतिक संबंधों का सबसे मजबूत स्तंभ रहा है। दशकों से, भारतीय सशस्त्र बलों ने स्ह्व-30रूद्मढ्ढ, ञ्ज-90 टैंकों और विभिन्न प्रकार के हेलीकॉप्टरों, तोपखाने और एयर-डिफेंस सिस्टम सहित रूसी मूल के सैन्य उपकरणों का संचालन किया है। हालांकि, यह संबंध धीरे-धीरे सीधे सैन्य उपकरणों की खरीद से आगे बढ़ गया है।भारतीय और रूसी रक्षा प्रतिष्ठानों के पास इन मुद्दों को हल करने के लिए भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग सैन्य और सैन्य-तकनीकी सहयोग ।

विचार

बायोटेक्नोलॉजी और एआई की क्रांतिः नया अवसर, नई जिम्मेदारी

अनिल शर्मा
लेखक

आज के दौर में बायोलॉजी एक बिल्कुल नए दौर में कदम रख रहा है। सदियों तक वैज्ञानिक पौधों, जानवरों, सूक्ष्मजीवों और इंसानों को समझने के लिए मुख्य रूप से उन्हें देखते और उन पर प्रयोग करते आ रहे हैं। उसके बाद डीएनए की खोज हुई और बायोलॉजी की तस्वीर ही बदल गई, क्योंकि पता चला कि किसी भी जीवित प्राणी को बनाने और चलाने की सारी जानकारी उसके जेनेटिक मटीरियल में लिखी होती है। अब एक और नई क्रांति हो रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ब्लढ्ढ), जीनोमिक्स, बायोटेक्नोलॉजी और सिंथेटिक बायोलॉजी के साथ मिलकर सिर्फ बायोलॉजी को पढ़ने तक नहीं रुक रही, बल्कि उसे समझने, उसके बारे में अनुमान लगाने और यहां तक कि जैविक सिस्टम डिज़ाइन करने की दिशा में आगे बढ़ने लगी है।इस बदलाव का असर चिकित्सा, खेती, फार्मास्यूटिकल्स और पर्यावरण की सुरक्षा तक हो सकता है। भारत के लिए और खासतौर पर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के लिए, यह एक असाधारण मौका है। हालांकि, इस मौके के साथ एक नई जिम्मेदारी भी आती है। जीवन को डिज़ाइन करने की हमारी ताकत जितनी ज्यादा बढ़ेगी, उस ताकत को उतनी ही सावधानी से संभालना भी

जरूरी होता जाएगा।हर जीवित कोशिका अपने निर्देष डीएनए में रखती है। ये निर्देष चार कमेकिल लेटर्स यानी ӽ, ञ्ज, त्न और ष्ट से लिखे जाते हैं। जीन इसी विशाल बायोलॉजी चैप्टर के वो हिस्से हैं, जिनमें प्रोटीन बनाने और कोशिका के अलग-अलग काम करने के निर्देश होते हैं, लेकिन जीन अकेले काम नहीं करते। डीएनए के दूसरे हिस्से किसी स्विच की तरह काम करते हैं और तय करते हैं कि कोई जीन कब, कहां और कितनी मजबूती से चालू या बंद होगा। इस लिहाज से डीएनए एक भाषा जैसा दिखाई देता है। जीन शब्दों की तरह होते हैं और रेगुलेटरी सीक्वेंस व्याकरण और विराम चिह्नों जैसी भूमिका निभाते हैं।कई सालों तक वैज्ञानिकों को ध्यान ज्यादातर उन्हीं जीन पर रहा, जो प्रोटीन को कोड करते हैं। जीनोम के जो बड़े हिस्से सीधे प्रोटीन नहीं बनाते थे, उन्हें कई बार यूं ही ÷जंक डीएनए÷ कह दिया जाता था। अब हम जानता हैं कि इस नॉन-कोडिंग डीएनए का बड़ा हिस्सा अहम रेगुलेटर की भूमिका निभाता है।

इस स्टडी के कई गहरे मायने हैं। कोई बीमारी सिर्फ इसलिए नहीं होती कि कोई जीन खराब है। कई बार एक बिल्कुल सामान्य जीन गलत समय पर चालू या बंद हो जाए, तो भी बीमारी हो सकती है। यही बात खेती से जुड़ी अहम खूबियों पर भी लागू होती है। सूखा सहने की क्षमता, बीमारियों से लड़ने की ताकत, खारापन झेलने की क्षमता और पैदावार, ये सब जीन और नियामक सीक्वेंस के कठिन नेटवर्क पर निर्भर करते हैं। ह्यूमन जीनोम प्रोजेक्ट और डीएनए सीक्वेंसिंग टेक्नोलॉजी के तेज विकास ने जैविक जानकारी का विशाल भंडार खड़ा कर दिया है। अब चुनौती सिर्फ डेटा हासिल करने की नहीं रही। असली चुनौती उस डेटा से छिपे मतलब को समझने की है और यही एआई बदलाव लाने वाली साबित हो रही है।

आज के एआई सिस्टम बहुत बड़े यानी विशाल जैविक डेटासेट को खंगाल सकते हैं और ऐसे रिश्ते पकड़ सकते हैं, जिन्हें इंसानों के लिए पहचानना बेहद मुश्किल होता। वो डीएनए सीक्वेंस का विश्लेषण कर सकते हैं, प्रोटीन की संरचना का अनुमान लगा सकते हैं, बीमारियों से जुड़े म्यूटेशन पहचान सकते हैं और जीनों के आपसी संबंध सामने ला सकते हैं।

अल्फाफोल्ड की कामयाबी ने बायोलॉजी में एआई की संभावनाएं साफ कर दीं हैं। इसने प्रोटीन की संरचना का अनुमान लगाने में एआई की असाधारण क्षमता दिखाई है। इससे साबित हुआ कि कंप्यूटर जैविक जानकारी के विशाल भंडाल से बायोलॉजी के जरूरी नियम सीख सकते हैं।

अगला कदम इससे भी ज्यादा रोमाचंक है

जीनोम लैंग्वेज मॉडल कहे जाने वाले एआई सिस्टम डीएनए सीक्वेंस को कुछ हद तक इंसानी भाषा की तरह देखते हैं। जैसे कोई लैंग्वेज मॉडल शब्दों और वाक्यों के बीच में पैटर्न सीखता है, ठीक वैसे ही ये सिस्टम डीएनए सीक्वेंस के पैटर्न को सीखते हैं। पर्याप्त जीनोमिक जानकारी मिल जाए तो ये अंदाजा लगाना शुरू कर देते हैं कि कौन-से सीक्वेंस काम करने लायक होंगे और अपनी बढ़ती क्षमता के साथ नए सीक्वेंस भी तैयार करने लगे हैं।

एआई से डिजाइन किए गए बैक्टीरियोफेज

इस नई क्षमता के सबसे उल्लेखनीय प्रदर्शनों में से एक हाल ही में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी और आर्क इंस्टीट्यूट से जुड़े रिसर्चर्स के काम में दिखाई दिया है। उन्होंने दुनिया के बढ़ते स्वास्थ्य खतरों में से एक, एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (स्नक्र) को निशाना बनाया। एंटीबायोटिक्स ने चिकित्सा की दुनिया बदल दी, लेकिन बैक्टीरिया लगातार उनके खिलाफ प्रतिरोध विकसित कर रहे हैं। जो संक्रमण एक दौर में आसानी से ठीक हो जाते थे, उन्हें अब काबू में रखना काफी मुश्किल होता जा रहा है।

जिंदगी से जुड़ी फील्ड है एनवायरनमेंटल साइंस

एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है। एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है।

पर्यावरण हमारी जिंदगी में अहम भूमिका निभाता है। चाहे बात खाने के अनाज की हो, रहने के लिए घर की हो, पहनने के लिए कपड़े की हो या फिर पानी, सूर्य की रोशनी, हवा की हो। सभी कुछ इसी पर्यावरण पर निर्भर करता है। इसलिए जब पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है तो उसका कहीं न कहीं प्रभाव हमारे जीवन पर पड़ता है। औद्योगिक विकास की रफ्तार ने पर्यावरण को लीलने का काम किया है। यही कारण है कि सभी का ध्यान इस ओर गया है। ऐसे में, एनवायरनमेंटल साइंस से जुड़े लोगों की मांग काफी बढ़ गई है। मूल रूप से एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है। एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है।

एनवायरनमेंटल साइंस के अध्ययन की बात पहली बार 1977 में स्टॉकहोम में हुई कांफ्रेंस में सामने आई थी। औद्योगिक विकास की अंधी दौड़ में आज जिस तरह पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, वह किसी से अछूता नहीं है। ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से लेकर ग्लेशियर के पिघलने या फिर पर्यावरण प्रदूषण आदि का मामला सभी कुछ इसी से जुड़ा हुआ है। आज के दौर में सरकार से लेकर स्वयंसेवी संगठन तक सभी पर्यावरण को लेकर जागरूक हो रहे हैं। एनवायरनमेंटल साइंस से संबंधित कोर्स यानी ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट करने वाले छात्र कंस्ट्रक्शन, केमिकल, मैन्युफैक्चरिंग और एनर्जी के फील्ड में करियर बना सकते हैं। इसके अलावा और भी कई फील्ड हैं जहां इससे संबंधित डिग्री हासिल करने वाले छात्र करियर को नई मंजिल तक पहुंचा सकते हैं।

एनवायरनमेंटल साइंटिस्ट

इससे जुड़े लोग वातावरण पर मनुष्यों द्वारा पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करते हैं। वे टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट को लेकर शोध करते हैं और एनवायरनमेंटली फ्रेंडली प्रैक्टिस को लेकर संबद्ध संस्थानों को सुझाव भी

देते हैं।

एनवायरनमेंटल इंजीनियर्स

इस फील्ड से जुड़े लोग वास्ट मैनेजमेंट, लीन मैन्युफैक्चर, रिसाइक्लिंग, इमिशन कंट्रोल, इनवायरेनमेंटल सस्टेनेबिलिटी और पब्लिक हेल्थ मामलों का अध्ययन करते हैं।

एनवायरनमेंटल लॉबिस्ट

ये सरकारी अधिकारियों, नेताओं और संबंधित स्वयंसेवी संस्थानों को पर्यावरण मामलों और नीतियों की जानकारी देते हैं।

एनवायरनमेंटल एजुकेटर

इससे जुड़े लोग एनवायरनमेंटल साइंस या फिर इससे संबंधित विषयों यानी इकोलॉजी या हाइड्रोलॉजी छात्रों को पढ़ाते हैं। इसके अलावा, एनवायरनमेंटल बायोलॉजिस्ट, एनवायरनमेंटल मॉडलर्स, एनवायरनमेंटल जर्नलिस्ट या पर्यावरण से संबंधित तकनीकविदों की तरह भी कार्य कर सकते हैं।

वेतन – एनवायरनमेंटल साइंस में बैचलर डिग्री करने वाले छात्रों को आसानी से 15–30 हजार रुपये मासिक की नौकरी मिल जाती है। जिन्होंने इस विषय में पोस्ट ग्रेजुएट किया है, उन्हें कम से कम 35–50 हजार रुपये मासिक तौर पर तो मिलते ही हैं। जो लोग पीएचडी करने के बाद बतौर साइंटिस्ट या कंसल्टेंट कार्य करते हैं, उनका वेतन शुरुआत में 50–75 हजार रुपये के बीच होता है।

संस्थान – अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, यूपी दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, दिल्ली डिपार्टमेंट ऑफ एनवायरनमेंटल बायोलॉजी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली स्कू ल ऑफ एनवायरनमेंटल साइंसे ज, जेएनयू, नई दिल्ली पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, यूपी चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, यूपी

हस्तनिर्मित कागज उद्योग फलता-फूलता रोजगार

भारत में हस्तनिर्मित कागज उद्योग का इतिहास बहुत पुराना है। मुगल काल से इसके प्रमाण मिलते हैं। यह उद्योग भारत के सामाजिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें सबसे खास बात यह है कि यह उद्योग अपशिष्ट पदार्थ को रिसाइकिलिंग प्रणाली द्वारा उच्चकोटि के कागज में तब्दील कर देता है। इसके अलावा, इसमें कम खर्च में अधिक लोगों को रोजगार दिया जाता है। असम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश एवं नगालैंड जैसे राज्यों में हस्तनिर्मित कागज के उद्योग खूब फल फूल रहा है। जबकि भारत के ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग 10-15 हजार लोग इस

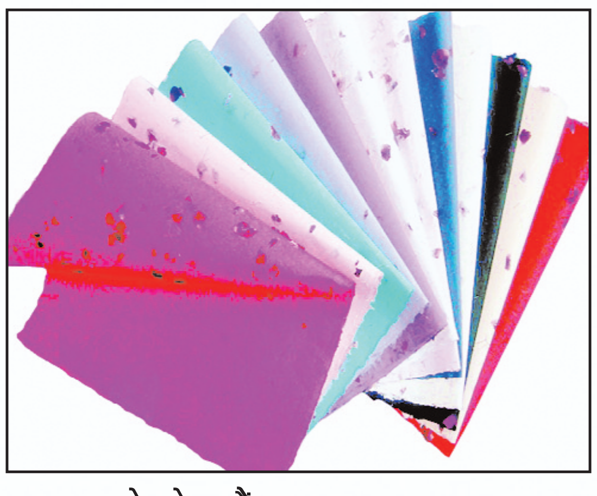

व्यवसाय से जुड़े हुए हैं।

शैक्षिक योग्यता की दरकार

इस रोजगार को प्रारंभ करने से पहले यदि आप प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण होना बहुत जरूरी है। प्रशिक्षण के पश्चात आप विशेष योग्यता से लैस हो जाएंगे, बल्कि रोजगार से संबंधित बारीकियां भी आपको मालूम हो सकेंगी। यदि आपके पास इस व्यवसाय से संबंधित जानकारी पहले से ही मौजूद है तो पांचवीं की डिग्री भी महत्वपूर्ण है यानी आपको सिर्फ साक्षर होना आवश्यक है। उम्र-सीमा 18 वर्ष से कम न हो।

संबंधित पाठ्यक्रम

इसमें मुख्यतः हैंडमेड पेपर में सर्टिफिकेट कोर्स (एक से दो सप्ताह), पेपर कंजरवेशन कोर्स (दो माह), इंटरप्रिन्योरशिप कोर्स (दो माह) तथा हैंडमेड पेपर में एडवांस कोर्स (एक वर्ष) आदि शामिल हैं।

फीस एवं प्रशिक्षण अवधि

यदि आप प्रशिक्षण खादी ग्राम उद्योग कमीशन (केवीआईसी) से प्राप्त करते हैं तो आपको सिर्फ 200 रुपए मामूली फीस में प्रशिक्षण मिल सकता है। जबकि प्रशिक्षण अवधि 2–3 हफ्तों की होती है। इस दौरान प्रशिक्षु को अपशिष्ट पदार्थों को रिसाइकिल कर आकर्षक कागज में परिवर्तित करने की कला सिखा दी जाती है। रिसाइकिलिंग में टेलर कटिंग, होजरी कटिंग तथा छोटे–छोटे टुकड़ों के सहारे उच्चकोटि के उपयोगी पेपर तैयार किए जाते हैं।

खर्च एवं सुविधा

हस्त निर्मित कागज उद्योग का यूनिट लगाने में कम से कम 40–70 हजार रुपए की लागत आती है। प्रारंभ में यह जरूरी है कि यूनिट छोटी ही लगाई जाए। बाद में सफल होने तथा डिमांड अधिक होने पर यूनिट की क्षमता इच्छानुसार बढ़ा सकते हैं। इस रोजगार के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय ने किसी भी व्यक्ति को प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन के लिए अधिकतम 25 लाख रुपए तक के ऋण का प्रबंध किया है। इसके साथ ही महिलाओं, अनुसूचित जातियों,

प्रशिक्षण दिलाने वाले संस्थान

ऐसे कई संस्थान हैं जो अपने यहां से हस्तनिर्मित कागज से जुड़ा प्रशिक्षण दिलाते हैं–

- खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (गांधी दर्शन), राजघाट, नई दिल्ली–110002 (संस्थान का पूरे भारत में कई जगह प्रशिक्षण केंद्र मौजूद)
- डॉ राजेन्द्र प्रसाद मल्टी डिस्प्लीनरी ट्रेनिंग सेंटर, खादी एवं विलेज इंडस्ट्रीज कमीशन, शेखपुरा, पटना–14
- कुमारप्पा नेशनल हैंडमेड पेपर इंस्टीटच्यूट, सांगानेर, राजस्थान–302022

टूरिज्म गाइड, मेहनती युवाओं के लिए

पर्यटन आज सांस्कृतिक पहचान पुख्ता करने के साथ रेवेन्यू अर्जित करने का भी जरिया बन रहा है। ऐसे में स्थानीय सरकारें देश में पर्यटन को बढ़ावा देने की पुरजोर कोशिश कर रही हैं। भारतीय गांवों की सैर विदेशी पर्यटकों के लिए किसी रोमांच से कम नहीं है। यहां के घर, बच्चों के खेल, महिलाओं का ओढना–पहनना, खेत–खलिहान, दैनिक गतिविधियां, अर्थव्यवस्था आदि उन्हें इतने आकर्षित करते हैं कि पर्यटक महीनों यहां डेरा डाले रहते हैं।

टूरिस्ट गाइड का कार्य

किसी भी देश की सामाजिक, सांस्कृतिक परंपराओं से पर्यटकों को अवगत कराने में टूरिस्ट गाइड की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। टूरिस्ट गाइड पर्यटकों के साथ रहकर उन्हें जाने–अनजाने और अनछुए पहलुओं से वाकिफ कराते हैं। यही वो कारण है जिसके चलते आज टूरिस्ट गाइड एक आकर्षक कॅरियर विकल्प के तौर पर अपनी जगह बना चुका है। संबंधित देश के टूरिस्ट गाइड राज्य क्षेत्र की भौगोलिक जानकारी के साथ–साथ सांस्कृतिक, ऐतिहासिक पर्यटन संबंधी जानकारी रखने के साथ ट्रेवल एजेंसी और बड़े–बड़े होटलों की जानकारी रखते हैं। देश में टूरिस्ट गाइड के लिए भारतीय पर्यटन और ट्रेवल विभाग से टूरिस्ट गाइड का लाइसेंस लेना होता है। लाइसेंस प्राप्त करने के लिए परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ती है।

कोर्स और क्वालिफिकेशन – देश के अलग–अलग संस्थान टूरिज्म ट्रैवल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट में शॉर्ट टर्म डिप्लोमा कोर्स संचालित करते हैं, जिसमें इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रैवल एंड टूरिज्म (आईआईटीएम) सबसे खास है, तो वहीं संबंधित राज्य व केंद्र सरकारों के पर्यटन विभाग भी टूरिस्ट गाइड ट्रेनिंग कोर्स आयोजित करते हैं। जिन्हें पास करने पर आपको सर्टीफाइड गाइड का लाइसेंस मिलता है। टूरिज्म के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए जरूरी है कि वे इस क्षेत्र में औपचारिक शिक्षा भी ग्रहण करें। देश में विभिन्न संस्थान एवं विश्वविद्यालय टूरिज्म में डिप्लोमा, बैचलर डिग्री एवं मास्टर्स डिग्री प्रदान करते हैं। डिप्लोमा कोर्स की अवधि अमूमन एक वर्ष होती है, जिसे ग्रेजुएशन के बाद किया जा सकता है। आईसीसीआर इस क्षेत्र में जूनियर फेलोशिप भी प्रदान करता है।

कॅरियर ऑप्शन – स्थानीय पर्यटन उद्योग, राष्ट्रीय पर्यटन उद्योग, होटल इंडस्ट्री, टैवल एजेंसी, एविएशन, कार्गो ऑपरेशन, हॉस्पिटेलिटी आदि में टूरिस्ट गाइड के लिए अवसर बाट जोह रहे हैं। टूरिज्म उद्योग के विस्तार से टूरिस्ट गाइड का स्कोप बढ़ा है। मेहनती, कुशल और ईमानदार युवा चाहें तो भारत की संपन्न विरासत से अपने लिए समृद्ध भविष्य की राह खोज सकते हैं। भारत सरकार भी अब ग्रामीण पर्यटन को बढावा देने के लिए कदम उठा रही है। पर्यटन मंत्रालय के अनुसार पिछले वर्ष देश भर में 66 लाख विदेशी सैलानी आए, जिनसे करीब 17 ।75 अरब डॉलर की कमाई हुई। मंत्रालय ने प्रत्येक वर्ष इनकी संख्या में 12 फीसदी बढोत्तरी का लक्ष्य रखा है ताकि वर्ष 2016 तक पर्यटन से विदेशी मुद्रा की

क्यों जरूरी है अपनी स्किल्स में इजाफा करना?

आप करियर के उस मुकाम पर खड़े हैं, जहां सोचते हैं कि अगले दस सालों में आप क्या करने जा रहे हैं? क्या कभी इस बात का भी अफसोस होता है कि आपने पढ़ाई के दौरान अलग-अलग विषयों का चुनाव क्यों नहीं किया, ताकि कुछ और पढ़ने या किसी दूसरी दिशा में करियर बनाने के बारे में सोच पाते? यदि इन प्रश्नों का उत्तर हां है तो यह समय है अपने पास मौजूद विकल्पों पर गंभीरता से विचार करने का। खुद की स्किल्स में निवेश करके अपने आप को आगे बढ़ाने का, री-स्किलिंग का।

क्या है स्किल्स में इजाफा करना?

शब्दकोष में री–स्किलिंग का अर्थ होगा, वह प्रशिक्षण और अनुभव, जिसके जरिए नई और बेहतर स्किल्स की जानकारी मिलती है। करियर में किसी उम्मीदवार में नई स्किल्स हासिल करने, सीखने और खुद को बदलने की क्षमता और इच्छा का होना बेहद अहम गुण माना जाता है। यह दूरदर्शिता होना कि करियर को आगे ले जाने के लिए किन स्किल्स की जरूरत होगी और उस दिशा में कदम बढ़ाना किसी उम्मीदवार के करियर को आगे ले जाने में मदद करता है। आईआईएम–बेंगलुरु में चाइनीज बिजनेस लैंग्वेज कोर्स पढ़ाने वाले प्रो. एस स्वामीनाथन कहते हैं, 'अपनी स्किल्स में इजाफा करने का अर्थ सक्रिय होकर केवल नई स्किल सीखना भर नहीं है। यह नौकरी से ब्रेक लेकर उच्च शिक्षा की ओर कदम बढ़ाना भी हो सकता है। उदाहरण के लिए कई आईआईएम केंद्रों में मंडारिन एक लोकप्रिय लैंग्वेज कोर्स बन कर उभरा है। वर्तमान में भारत–चीन एक–दूसरे से व्यापारिक रिश्तों को नकार नहीं सकते। विश्व अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान हासिल करने के लिए इस दिशा में कदम बढ़ाना जरूरी भी होगा। ऐसे में चाइनीज बिजनेस कोर्स की मदद से विद्यार्थी दोनों देशों में बन रहे आर्थिक समीकरणों में अपनी सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं।' कॉलेज के दौरान लिए गए विषय निश्चित तौर पर पसंदीदा जॉब हासिल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, पर ऐसे भी मामले मिलते हैं, जहां लोग संयोगवश दूसरे क्षेत्रों में करियर बना बैठते हैं या फिर अपने करियर के दौरान ऐसे फंस जाते हैं, जहां उनके लिए समझना मुश्किल हो जाता है कि अब वे किस ओर कदम बढ़ाएं। दो से तीन वर्ष नौकरी कर चुकने वाले विशेषज्ञता प्राप्त उम्मीदवार और बड़े अधिकारी भी यह मानते हैं कि बदलावों से गुरेज करना और अपनी स्किल्स को बढ़ाने का प्रयास न करना एक स्तर पर आकर उम्मीदवार की प्रगति को बाधित कर देता है। जिस तेजी से कार्यस्थल और उनकी नीतियां बदल रही हैं, यह पहले से भी जरूरी हो गया है कि उम्मीदवार खुद को उपयोगी बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए। थोलोंस ग्लोबल इंस्टीट्यूट में एमडी अंकिता वशिष्ठ के अनुसार, 'जॉब मार्केट में खुद को रोजगार योग्य और उपयोगी बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। वर्कप्लेस पर बढ़ती विविधता और नित बदलती तकनीक ने कर्मचारियों पर नई तकनीक और कार्य प्रणाली को सीखने का दबाव बनाया है। उदाहरण के लिए, यदि कोई नई तकनीक मसलन बिग डाटा और एनालिटिक्स में करियर बनाना चाहता है तो उसके लिए स्टैटिस्टिक्स में क्रैश कोर्स करना फायदेमंद हो सकता है। एक परंपरागत मार्केटिंग व्यक्ति के लिए डिजिटल मार्केटिंग में अनुभव बढ़ाना लाभप्रद रहेगा। इसी तरह अन्य उम्मीदवार खुद को किसी ऑनलाइन कोर्स या डेवलमेंट प्रोग्राम से भी जोड़ सकते हैं।' ग्लोबल रिक्रूटमेंट फर्म केली सविर्सेज के हालिया अध्ययन के अनुसार विश्व परिदृश्य की तुलना में एशिया–प्रशांत क्षेत्र में बड़े स्तर पर कर्मचारी तेजी से उभरते बाजार में अपनी स्किल्स में इजाफा करने की इच्छा जता रहे हैं। 69% भारतीय कर्मचारी आगे बढ़ने के लिए उच्च शिक्षा और प्रशिक्षण हासिल करने के बारे में गंभीरता से सोच रहे हैं। यह संख्या यूरोप और अमेरिका की तुलना में अधिक है। पहले बैंकों में नौकरी में उन्हीं लोगों को रखा जाता था, जो पहले बैंक में नौकरी करते रहे हैं। इसी तरह एफएमसीजी कंपनियां भी इसी क्षेत्र के अनुभव को वरीयता देती थीं। पर वह समय बीत गया है। आज कंपनियां विविध क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वालों को रखना पसंद करती हैं। यानी गतिशील बाजार में खुद को रोजगार योग्य बनाने व उच्च पदों को कुशलता से संभालने के लिए प्रशिक्षण हासिल करने की जरूरत होगी ही।'

रोचक तथ्य – 57 प्रतिशत प्रतिभागियों ने अपने वर्तमान नियोक्ता के पास ही पदोन्नति को ध्यान में रखते हुए अपनी स्किल्स में इजाफा करने की इच्छा जतायी। वहीं 47 प्रतिशत के अनुसार वे दूसरी कंपनी में जाने के लिए अपनी स्किल्स में इजाफा करना पसंद करेंगे।

70 प्रतिशत के अनुसार सबसे महत्वपूर्ण और उपयोगी स्किल नौकरी करते हुए हासिल की जा सकती है। उसके बाद 58 प्रतिशत ने शिक्षा और प्रशिक्षण को जरूरी बताया है। 26 प्रतिशत के अनुसार सेमिनार और वेबिनार से भी नई स्किल सीखने में मदद मिलती है। 42 प्रतिशत के

सेवा संकल्प अभियान - टीबी उन्मूलन कार्यक्रम - विजय को मिली टीबी से मुक्ति

सेवा संकल्प अभियान - टीबी उन्मूलन कार्यक्रम - विजय को मिली टीबी से मुक्ति

सतत जांच, उपचार और विभागीय परामर्श से हुए पूरी तरह स्वस्थ

संवाददाता ■ रायपुर

स्वास्थ्य मनुष्य के जीवन का एक अनमोल पुंजी है। इसे सुरक्षित रखना एक कठिन चुनौती भी है, लेकिन सतत जांच, उपचार और सही समय पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा मिले परामर्श से इसे नियंत्रित किया जा सकता है। महासमुंद जिले में टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत एक बेहतर कार्य हो रहा है। गौरतलब है कि इस अभियान के तहत जिले के 551 ग्राम पंचायतों में से 305 ग्राम पंचायत टीबी मुक्त हो गया है। जिले में टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के माध्यम से टीबी रोगियों को समय पर जांच, नियमित उपचार और आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। कई लोगों ने स्वास्थ्य विभाग से मिलकर अपने रोग को पूर्णतः ठीक किया है। इसी क्रम में महासमुंद शहर के वार्ड क्रमांक 25 निवासी श्री विजय साहू के जीवन में भी बदलाव देखने को मिला है। नियमित उपचार और स्वास्थ्य विभाग की समझाईश से विजय ने टीबी बीमारी को मात दी।

विजय बताते हैं कि करीब एक वर्ष तक उन्हें लगातार थकावट रहती थी और किसी भी काम को करने में मन नहीं लगता था। लगातार खांसी आने के साथ शाम के समय हल्का बुखार भी रहता था। उन्होंने निजी चिकित्सकों से उपचार कराया, लेकिन पूरी तरह स्वास्थ्य लाभ नहीं मिल पाया। इस दौरान वे तंबाकूयुक्त गुटका और शराब का सेवन भी करते थे, जिससे उनकी स्वास्थ्य संबंधी परेशानी और बढ़ रही थी।

इसी बीच वार्ड की मितानिन श्रीमती रेखा साहू ने विजय को जिला क्षय केंद्र, महासमुंद में जांच कराने की सलाह दी। विजय ने जिला क्षय केंद्र पहुंचकर अपने थूक की जांच कराई, जिसमें टीबी बीमारी की पुष्टि हुई। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग के मार्गदर्शन में उन्होंने 13 फरवरी 2025 टीबी की दवाइयां लीं।

न्यूज इन शॉर्ट

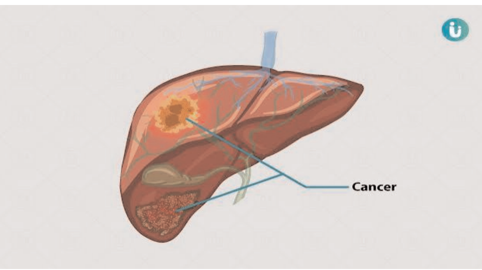

लिवर कैंसर को मात देकर बस्तर के नितेश कश्यप को मिला नया जीवन

रायपुर। बस्तर जिले के तोकापाल ब्लॉक अंतर्गत ग्राम करंजी निवासी 27 वर्षीय नितेश कश्यप के लिए शासन की आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना जीवनदायिनी साबित हुई है। लंबे समय से पेट दर्द की असहनीय पीड़ा झेल रहे नितेश जब अपने गांव के आयुष्मान आरोग्य मंदिर पहुंचे, तो वहां प्राथमिक उपचार और दवाएं दी गईं। हालांकि, दवाइयों से राहत न मिलने पर जब वे दोबारा पहुंचे, तो केंद्र में पदस्थ कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर प्रीति बघेल ने मामले की गंभीरता को समझा और त्वरित निर्णय लेते हुए उन्हें तुरंत महारानी जिला अस्पताल जगदलपुर के लिए रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों द्वारा खून की जांच, अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन जैसी विस्तृत एवं आधुनिक जांचें कराई गईं, जिनमें नितेश के लिवर कैंसर से ग्रसित होने की पुष्टि हुई। इस गंभीर बीमारी की खबर से सहमे परिवार को डॉक्टरों ने ढांढस बंधाया और आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत उपलब्ध निःशुल्क उपचार का सहारा लेने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद योजना के तहत मिले 5 लाख रुपये तक के कैशलेस सुरक्षा कवच के माध्यम से बिना किसी आर्थिक बाधा के उनका जटिल ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया। सफल उपचार के बाद पूर्णतः स्वस्थ हो चुके नितेश ने भावुक होते हुए कहा कि आयुष्मान भारत योजना ने उन्हें वास्तव में एक नई जिंदगी दी है। उन्होंने आम जनता से अपील की कि वे इस जनहितैषी योजना का लाभ जरूर उठाएं। साथ ही उन्होंने त्वरित परामर्श देने वाले स्वास्थ्य कर्मियों, उपचार करने वाले चिकित्सकों और सरकार के प्रति अपना गहरा आभार व्यक्त किया। सही समय पर स्वास्थ्य अमले के मार्गदर्शन और योजना के वित्तीय संबल ने एक बार फिर यह साबित किया है कि आयुष्मान भारत आम नागरिक के लिए एक सशक्त सुरक्षा ढाल बन चुका है।

नवा रायपुर में सजेगी तीज उत्सव की रंगत

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-संस्कृति, आत्मीयता और पारंपरिक तिहारों की मिठास को सहेजने के उद्देश्य से नवा रायपुर में भव्य 'तीज मिलन उत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पुनर्वास तथा उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा की मेजबानी में यह गरिमामय उत्सव 22 सितंबर 2026, मंगलवार को दोपहर 12 बजे से संध्या 4 बजे तक एम.-12, सेक्टर-24, अटल नगर, नवा रायपुर में संपन्न होगा।

छत्तीसगढ़िया अस्मिता और पारंपरिक पर्वों के संरक्षण व संवर्धन की दिशा में आयोजित इस विशेष समागम में प्रदेश की शीर्ष हस्तियों का जमावड़ा देखने को मिलेगा। छत्तीसगढ़ के विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह अपनी धर्मपत्नी श्रीमती वीणा सिंह और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय अपनी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या देवी साय के साथ विशेष रूप से उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। इसके साथ ही राज्य के कई मंत्रीगण, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक भी इस सांस्कृतिक संध्या के साक्षी बनेंगे।

इस आयोजन के संदर्भ में मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ़ के पारंपरिक पर्व केवल धार्मिक या सांस्कृतिक अनुष्ठान नहीं हैं, बल्कि ये आपसी भाईचारे, प्रेम और सामाजिक समरसता की मजबूत बुनियाद हैं। इस तीज मिलन उत्सव का मूल उद्देश्य अपनी समृद्ध परंपराओं और छत्तीसगढ़िया संस्कृति की मिठास को आपस में बांटना तथा आने वाली पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़कर रखना है। इस अवसर पर पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजनों, लोक-संस्कृति के रंगों और तीजा पर्व के आत्मीय अनुष्ठानों का एक अनूठा संगम देखने को मिलेगा।

छत्तीसगढ़- 36 में से 20 कांग्रेस नेताओं का निष्कासन रद्द

कुकरेजा-डोंगरे समेत कई की घर वापसी पक्की, अमित-रेणु जोगी, बृहस्पति पर फैसला बाकी

संवाददाता ■ रायपुर

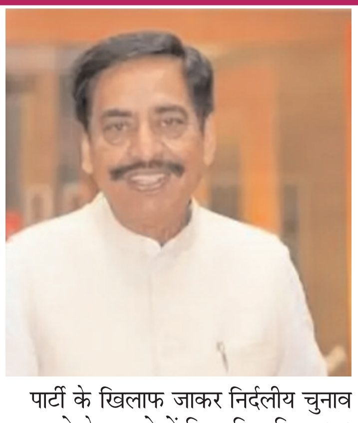

छत्तीसगढ़ कांग्रेस पार्टी से बाहर निकाले गए 20 नेताओं का निष्कासन रद्द कर दिया गया है। शनिवार को हुई अनुशासन समिति की बैठक में 36 निष्कासित नेताओं की घर वापसी पर विचार हुआ। जिनका निष्कासन रद्द किया गया है, उनमें कुकरेजा-डोंगरे समेत कई नेता शामिल हैं।

बाकी बचे 16 नेताओं के निष्कासन पर मंथन अभी जारी है। इनमें अमित जोगी, रेणु जेगी और बृहस्पति सिंह शामिल हैं। आदेश के बाद सभी संबंधित नेताओं के लिए पार्टी में दोबारा सक्रिय होने का रास्ता खुल गया है।

पहली सूची में रायपुर, राजनांदगांव और मुंगेली के नेता शामिल हैं। रायपुर से आनंद कुकरेजा, पूनम पांडेय और विशाल रजानी का निष्कासन रद्द किया गया है। वहीं, मुंगेली से पार्षद विनय चोपड़ा को भी राहत दी गई है।रायपुर उत्तर विधानसभा से 2023 में निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले अजीत कुकरेजा के पिता आनंद कुकरेजा को कांग्रेस ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया था।

इससे पहले कांग्रेस ने अजीत कुकरेजा को भी पार्टी के खिलाफ जाकर निर्दलीय चुनाव लड़ने के मामले में निष्कासित किया था। इसके बाद उनके पिता आनंद कुकरेजा पर भी पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते कार्रवाई की गई थी। आनंद कुकरेजा समेत 14 लोगों को निष्कासित किया गया था।

गरियाबंद से 5 नाम, राजनांदगांव से 8

गरियाबंद जिले से गोरेलाल सिन्हा, राधोवा महाड़िक, भविष्य प्रधान, ऋतिक सिन्हा और भानुप्रताप साहू का निष्कासन रद्द किया गया है। कोंडागांव से सुशील सोनी का नाम सूची में शामिल है।

राजनांदगांव जिले के सबसे ज्यादा नेताओं को इस फैसले से राहत मिली है। यहां सगीर खान, सिद्धार्थ डोंगरे, राजेश गुप्ता, जितेश सिमनकर, सकूर चौहान, सुनीता सिन्हा, आशीष सोनकर और शशांक डोंगरे का निष्कासन रद्द किया गया है। इसके अलावा अंजू बंजारे और श्यामबती सिन्हा के नाम भी सूची में शामिल हैं।

तत्काल प्रभाव से लागू होगा आदेश

प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि अनुशासन समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार संबंधित कांग्रेसियों का निष्कासन तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाता है। प्रभारी महामंत्री (संगठन एवं प्रशासन) मलकीत सिंह गैदू की ओर से आदेश जारी किया गया है।

पार्टी की ओर से जारी यह पहली सूची है। इससे पहले अलग-अलग कारणों से निष्कासित किए गए कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को संगठन में वापस लेने की प्रक्रिया के तहत यह कार्रवाई की गई है। आदेश के बाद इन नेताओं की पार्टी संगठन में दोबारा सक्रिय भूमिका को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

सुकमा की 10 साल की बच्ची के जन्मजात मोतियाबिंद का चिरायु के तहत सफल ऑपरेशन

संवाददाता ■ रायपुर

सुकमा की 10 साल की बच्ची के जन्मजात मोतियाबिंद का चिरायु के तहत सफल ऑपरेशन

स्कूल में स्वास्थ्य जांच के दौरान जन्मजात मोतियाबिंद की पहचान, जगदलपुर में सफल ऑपरेशन

बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को प्रदेश के अंतिम छोर तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता अब दूरस्थ अंचलों के बच्चों के जीवन में भी बदलाव ला रही है। सेवा संकल्प अभियान के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच, समय पर जांच और जरूरतमंद मरीजों को विशेषज्ञ उपचार से जोड़ने की इसी प्रतिबद्धता का उदाहरण सुकमा की एक 10 वर्षीय छात्रा की कहानी है। कभी साफ देखने में परेशानी के कारण रोजमर्रा की गतिविधियों में दिक्कत झेल रही बच्ची का अब सफल उपचार हो चुका है।सुकमा जिला मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूर वनांचल क्षेत्र की रहने वाली कक्षा 4 की इस छात्रा की पहचान राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) के तहत स्कूल में स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान हुई। जांच में बच्ची के जन्मजात मोतियाबिंद से पीड़ित होने की जानकारी सामने आई। परिवार की आर्थिक और

स्कूलों में छुट्टियों का ऐलान, दिवाली और विंटर वैकेशन में कितने दिनों का मिलेगा आपको

संवाददाता ■ रायपुर

स्कूलों और डीएड, बीएड, एमएड महाविद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों को इस साल दशहरा, दिवाली और सर्दी की छुट्टियों में कब और कितने दिनों का अवकाश मिलेगा, इसकी लिस्ट शासन की ओर से जारी कर दी गई है।

स्कूलों में छुट्टियों का ऐलान

छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षण सत्र 2026-27 के लिए दशहरा, दीपावली और शीतकालीन अवकाश की तारीखों का ऐलान कर दिया है। मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर से 21 सितंबर 2026 को जारी आदेश के मुताबिक, इन तीनों पर्वों पर कुल 15 दिनों की छुट्टियां मिलेगी।

दशहरा पर्व पर 5 दिनों की छुट्टियां मिलेंगी

छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग के आदेश के अनुसार, दशहरा पर्व के अवसर पर छत्तीसगढ़ के स्कूलों और संबंधित शैक्षणिक संस्थानों में 17 अक्टूबर से 21 अक्टूबर 2026 तक अवकाश रहेगा। इस दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों को कुल 5 दिनों की छुट्टी मिलेगी।

दीपावली पर भी रहेगा 5 दिनों का अवकाश

दीपावली पर्व को लेकर भी शासन ने 5 दिनों की छुट्टियां घोषित की है। आदेश के मुताबिक, दीपावली का अवकाश 6 नवंबर से 10 नवंबर 2026 तक रहेगा। इस दौरान स्कूलों और संबंधित महाविद्यालयों में नियमित शैक्षणिक गतिविधियां बंद रहेंगी।

दिसंबर में विंटर वैकेशन

सर्दी की छुट्टियों की बात करें तो विद्यार्थियों को दिसंबर के महीने में भी 5 दिनों का अवकाश मिलेगा। विभाग के आदेश के अनुसार, शीतकालीन अवकाश 24 दिसंबर से 28 दिसंबर 2026 तक निर्धारित किया गया है।

कुल 15 दिनों की छुट्टियां घोषित

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश में दशहरा, दीपावली और शीतकालीन अवकाश को मिलाकर कुल 15 दिनों की छुट्टियां घोषित की गई हैं। ये अवकाश शासकीय, अनुदान प्राप्त और गैर अनुदान प्राप्त शालाओं के साथ-साथ डी।एड।, बी।एड। और एम।एड। महाविद्यालयों पर लागू होंगे।

21 सितंबर को जारी किया गया आदेश

यह आदेश छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग ने 21 सितंबर 2026 को जारी किया। आदेश छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार जारी किया गया है।

बसंतपुर चोरी कांड का खुलासा:

50 CCTV कैमरों से मिला सुराग, दो आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता ■ राजनांदगांव

जिले के बसंतपुर थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े हुई लाखों रुपए की चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। साइबर सेल और थाना बसंतपुर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 100 ग्राम सोने का डल्ला, 500 ग्राम चांदी के आभूषण और 1.50 लाख रुपए नकद सहित कुल करीब 10.50 लाख रुपए का सामान बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपियों ने जेल में हुई पुरानी पहचान के बाद चोरी की साजिश रची थी। मुख्य आरोपी विक्की वर्मा के खिलाफ छत्तीसगढ़ के कई जिलों में चोरी के मामले दर्ज हैं।

सूने मकान को बनाया था निशाना

घटना 11 सितंबर 2026 की है। आर्शीवाद कॉलोनी कौरिनभाठा निवासी कुल प्रकाश वालदे अपने ड्यूटी पर गए हुए थे। इस दौरान दोपहर करीब 12-30 बजे से 2-45 बजे के बीच अज्ञात चोर ने उनके घर का ताला तोड़ दिया। आरोपी घर के अंदर दाखिल हुआ और कमरे में रखी अलमारी का लॉकर तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण और नकदी

चोरी कर ले गया। चोरी गए सामान में सोने की अंगूठी, टॉप्स, नथ, चैन, लॉकेट, झुमके, चूड़ी, बाली और हार सहित चांदी के पायल शामिल थे। प्रार्थी की शिकायत पर थाना बसंतपुर में अपराध क्रमांक 420/2026 के तहत बीएनएस की धारा 331(3), 305 के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन में टीम गठित की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर, नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन और साइबर डीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी के मार्गदर्शन में थाना बसंतपुर और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने जांच शुरू की।

जेल में हुई थी दोनों की पहचान

जांच के दौरान पुलिस को आरोपी की पहचान आदतन चोर विक्की वर्मा के रूप में हुई। पुलिस ने उसे 20 सितंबर को हरियाणा से हिरासत में लिया। पूछताछ में विक्की वर्मा ने बताया कि वर्ष 2025-26 में वह चोरी के मामले में केंद्रीय जेल जगदलपुर में बंद था। उसी दौरान उसकी मुलाकात चोरी के मामले में बंद रहिमन टीकमदास से हुई थी। जेल से बाहर आने के बाद दोनों ने मिलकर चोरी की योजना बनाई। आरोपी रहिमन आर्शीवाद कॉलोनी में प्रार्थी के मकान के ऊपर किराए से रहता था। उसे घर में रखे सोने-चांदी के आभूषणों और दोपहर के समय मकान सूना रहने की जानकारी थी।

सोने को गलाकर बनाया डल्ला

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी विक्की चोरी करने के लिए राजनांदगांव आया था। घटना के दौरान दोनों मोबाइल फोन के जरिए संपर्क में थे। चोरी के बाद आरोपी ने कुछ सोने के आभूषण हरियाणा के कुरुक्षेत्र के ज्वेलर्स को बेचने की बात स्वीकार की।

ट्रांसफार्मर फटने से तीन किसान झुलसे, बिजली कंपनी पर लापरवाही का आरोप

संवाददाता ■ बेमेतरा

छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में बिजली व्यवस्था सुधारने गए तीन किसान बड़े हादसे का शिकार हो गए। दाढ़ी क्षेत्र के ग्राम हेमाबंद में अटल ज्योति योजना के तहत लगाए गए ट्रांसफार्मर में डीओ चढ़ाने के दौरान अचानक विस्फोट हो गया। हादसे में तीन किसान गंभीर रूप से झुलस गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद रायपुर रेफर किया गया है। घटना के बाद ग्रामीणों ने बिजली कंपनी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि बिजली खराब होने की सूचना देने के बाद भी समय पर सुधार कार्य नहीं किया गया, जिसके कारण ग्रामीणों को खुद ट्रांसफार्मर ठीक करने का प्रयास करना पड़ा।

ग्रामीणों ने इसकी जानकारी दाढ़ी बिजली सब स्टेशन को दी थी। ग्रामीणों का कहना है कि सूचना देने के बाद सब स्टेशन से जवाब मिला कि फिलहाल मिस्त्री उपलब्ध नहीं है। मिस्त्री आने के बाद ही आपूर्ति व्यवस्था को ठीक किया जाएगा। काफी समय तक बिजली व्यवस्था बहाल नहीं होने पर ग्रामीण परेशान हो गए।

ग्रामीणों के अनुसार, लाइन बंद करवाने के बाद वे डीओ चढ़ाने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान अचानक ट्रांसफार्मर में जोरदार धमाका हुआ और आग की लपटें निकलने लगीं। इस हादसे में तीनों किसान आग की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से झुलस गए। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल मदद कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया।ो पहले स्थानीय स्तर पर प्राथमिक उपचार दिया गया।

एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अभिषेक शर्मा** द्वारा 202, भाटागांव चौराहा , रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन 492015 से प्रकाशित एवं आसमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड , गॉस मेमोरियल हाल के पास , जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।

संपादक - रिज़वान आज़म, **समूह संपादक**- महेश कुमार तिवारी ईमेल - eksatbulletin@gmail.com R.N.I Number - CHHHIN/2020/78457 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार ।